▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 303 ▸▸ मुंबई, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उदयनराजे भोंसले: 268% की वृद्धि के साथ शीर्ष पर

दौलत बढ़ने के मामले में सतारा से भाजपा सांसद उदयनराजे भोंसले सूची में सबसे ऊपर हैं। उनकी संपत्ति में पिछले 10 वर्षों में 162 करोड़ से अधिक की वृद्धि हुई है। 2014 में उनके पास 60 करोड़ की संपत्ति थी, जो 2024 तक बढ़कर 223 करोड़ हो गई। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने इस दौरान अलग-अलग दलों (राकांपा और फिर भाजपा) से चुनाव लड़ा, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति में निरंतर उछाल देखा गया।

भले ही कुल संपत्ति के मामले में अन्य सांसद आगे हों, लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र और कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे की संपत्ति में प्रतिशत के लिहाज से अविश्वसनीय वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2014 में उनकी संपत्ति 9 .98 लाख थी, जो 2024 में बढ़कर 14 .92 करोड़ हो गई, जो लगभग 14,851% की विशाल बढ़ोत्तरी है।

माननीयों की बल्ले-बल्ले

एजेंसी । नई दिल्ली

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट ने भारतीय राजनीति के आर्थिक पक्ष को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2014 से 2024 के बीच लगातार तीन बार लोकसभा के लिए चुने गए 102 सांसदों की औसत संपत्ति में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, इन 102 सांसदों की औसत संपत्ति जो 2014 में 15.76 करोड़ थी, वह 2024 में बढ़कर 33.13 करोड़ हो गई है, यानी औसतन प्रति सांसद 17.36 करोड़ का इजाफा हुआ है।

- दोबारा चुने गए 102 सांसदों की औसत संपत्ति 110 फीसदी बढ़ी
- एडीआर ने किया 2014 से 2024 के बीच दोबारा चुने गए सांसदों की संपत्ति का विश्लेषण

पूनम माडम और पीवी मिथुन रेड्डी की संपत्ति में भारी बढ़ोत्तरी

गुजरात के जामनगर से भाजपा सांसद पूनमबेन माडम की संपत्ति में प्रतिशत के लिहाज से अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 2014 में मात्र 17 करोड़ की मालकिन पूनम माडम की संपत्ति 2024 में 147 करोड़ (747% की वृद्धि) तक पहुँच गई। वहीं, आंध्र प्रदेश के राजमपेट से वाईएसआरसीपी सांसद पीवी मिथुन रेड्डी की संपत्ति में भी 124 .25 करोड़ का इजाफा हुआ है, जो उन्हें इस सूची के शीर्ष दावेदारों में शामिल करता है।

हेमा मालिनी और शत्रुघ्न सिन्हा: ग्लैमर से राजनीति

सिनेमाई सितारों से राजनेता बने सांसदों की झोली भी इस दौरान खूब भरी। मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी की संपत्ति 100 करोड़ से अधिक बढ़कर अब 278 करोड़ हो गई है। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस के शत्रुघ्न सिन्हा की संपत्ति में भी 78 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई है।

हरसिमरत कौर और सुप्रिया सुले: क्षेत्रीय दिग्गजों का आर्थिक ग्राफ

शिरोमणि अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल की संपत्ति 2014 के 108 करोड़ से लगभग दोगुनी होकर 2019 में ही 217 करोड़ पहुँच गई थी। हालांकि 2024 के हलफनामे में उनकी संपत्ति 198 करोड़ के करीब दर्ज की गई। वहीं, बारामती से राकांपा (शरद चंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले की संपत्ति 113 करोड़ से बढ़कर 166 करोड़ हो गई है। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014 में उनकी संपत्ति 15 करोड़ थी, जो 10 साल बाद बढ़कर 74 करोड़ हो गई। गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह की संपत्ति में भी 385% का उछाल आया है; उनकी संपत्ति 25 करोड़ से बढ़कर अब 121 करोड़ हो गई है। रिपोर्ट में देश के शीर्ष नेताओं की संपत्ति का भी जिक्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संपत्ति 2014 के 1.65 करोड़ से बढ़कर 2024 में 3 .02 करोड़ (82% वृद्धि) हुई है।

शिंदे सत्ता से दूर, अंबरनाथ कांग्रेस मुक्त

अंबरनाथ में राजनीतिक 'खेला'

- बीजेपी ने एक तीर से साधा दो निशानाय
- निलंबन के बाद 12 कांग्रेस पार्षदों ने थामा भाजपा का दामन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में बड़ फेरबदल देखने को मिला है। ठाणे जिले के अंबरनाथ में कांग्रेस की कार्रवाई के बाद निलंबित किए गए 12 नवनिर्वाचित पार्षदों ने अब औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। जो पार्षद बीजेपी में शामिल हुए हैं उनमें प्रदीप नाना पाटील, दर्शना उमेश पाटील, अर्चना चरण पाटील, हर्षदा पंकज पाटील, तेजस्विनी मिलिंद पाटील, विपुल प्रदीप पाटील, मनीष म्हात्रे, धनलक्ष्मी जयशंकर, संजवणी राहुल देवडे, दिनेश गायकवाड, किरण बद्रीनाथ राठोड और कबीर नरेश गायकवाड हैं। इससे भाजपा को फायदा ही है। जैसे पहले था। एकनाथ शिंदे को अंबरनाथ की सत्ता से दूर करने के लिए भाजपा-कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। अब तस्वीर ऐसी बन रही है कि शिंदे सत्ता से दूर तो रहेंगे ही, अंबरनाथ भी कांग्रेसमुक्त ही रहेगा।

भाजपा ने खेला दांव?

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने बुधवार देर रात पार्टी कार्यालय में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्षदों का यह फैसला सत्ता की लालसा नहीं, बल्कि विकास और सुशासन के प्रति साझा प्रतिबद्धता का नतीजा है। चव्हाण ने कहा, 'जनता ने इन पार्षदों को विकास के लिए चुना है। वे इसलिए हमारे साथ आए हैं क्योंकि भाजपा नीत सरकार तेजी से काम कर रही है और लोगों को न्याय व विकास दे रही है।'

अब अयोग्य ठहराने की होगी कार्रवाई

वहीं अब महाराष्ट्र कांग्रेस ने गुरुवार (08 जनवरी) को कहा कि वह अंबरनाथ के 12 पार्षदों को अयोग्य ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी, जो पार्टी के सिंबल पर चुने गए थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी ने इस कदम को अवैध और असांविधानिक करार दिया है। पार्टी प्रवक्ता सचिन सावंत ने दावा किया कि पार्षदों ने कांग्रेस के सिंबल पर चुने जाने के बाद दल-बदल करके सांविधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, 'यह काम पूरी तरह से अवैध है। किसी पार्टी के सिंबल पर चुने जाने के बाद एक स्वतंत्र समूह बनाना या बाद में किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी में शामिल होना न केवल अनैतिक है, बल्कि असांविधानिक भी है।' सावंत ने आगे कहा, 'कांग्रेस पार्टी इन पार्षदों की सदस्यता रद्द करवाने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। जल्द ही इन सभी को कानूनी नोटिस जारी किए जाएंगे।'

कैसे बदले राजनीतिक समीकरण?

20 दिसंबर को हुए स्थानीय चुनाव के बाद भाजपा ने कांग्रेस के साथ मिलकर 'अंबरनाथ विकास आघाडी (AVA)' बनाई। इस गठबंधन में अजित पवार नीत राकांपा भी शामिल थे। गठबंधन ने 60 सदस्यीय नगर परिषद में 31 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया। शिवसेना 27 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन बहुमत से चार सीट दूर रह गई। भाजपा को 14, कांग्रेस को 12 और राकांपा को 4 सीटें मिलीं, जबकि 2 निर्दलीय भी जीते।

शिंदे को दूर करन के लिए हुआ था गठबंधन

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस के नेता लगातार एक-दूसरे की आलोचना करते रहते हैं। इन दोनों पार्टियों की विचारधाराएं अलग-अलग होने के कारण, चाहे राज्य स्तर पर हो या देश स्तर पर, वे कभी एक साथ नहीं आए हैं। हालांकि, जो देश में नहीं हो पाया, वह अंबरनाथ में हो गया। भाजपा ने अंबरनाथ नगर परिषद में शिंदे की शिवसेना को करारा झटका दिया। भाजपा और कांग्रेस ने हाथ मिलाकर शिंदे की शिवसेना को सत्ता से बाहर कर दिया। 59 सदस्यीय अंबरनाथ नगरपालिका में शिंदे की शिवसेना के पास 27 पार्षद हैं। वहीं भाजपा के पास 14, एनसीपी के पास 4 और कांग्रेस के पास 12 पार्षद हैं। हालांकि, भाजपा अपने 14 पार्षदों के साथ कुल 31 पार्षदों के आंकड़े तक पहुंच गई है, जबकि कांग्रेस के पास 12, एनसीपी के पास 4 और एक निर्दलीय पार्षद हैं। इस तरह शिंदे की शिवसेना 27 पार्षदों के साथ पीछे रह गई है। भाजपा की तेजश्री करुणजले पाटिल ने महापौर पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव जीता था।

सबसे बड़ी ठगी पर महाराष्ट्र पुलिस का ऐक्शन

- 2,458 पन्नों की चार्जशीट दाखिल
- 32 आरोपियों के नाम चार्जशीट में शामिल
- कुल 47 गवाह हैं इस मामले में

मुंबई। मुंबई में सामने आए डिजिटल अरेस्ट ठगी के अब तक के सबसे बड़े मामलों में महाराष्ट्र साइबर ने 2,458 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। करीब 58 करोड़ रुपये की इस सनसनीखेज ठगी में 32 आरोपियों को नामजद किया गया है। चार्जशीट एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश की गई है, जिसमें कुल 47 गवाहों के बयान शामिल हैं। इस रैकेट का मुख्य आरोपी विजय खन्ना अब भी फरार बताया जा रहा है। जांच के मुताबिक यह ठगी 19 अगस्त 2025 से 8 अक्टूबर 2025 के बीच की गई।

वीडियो कॉल पर नकली पूछताछ

पीड़ित से वीडियो कॉल के जरिए फर्जी पूछताछ करवाई गई और नकली कोर्ट कार्यवाही दिखाई गई। उसे यह भी बताया गया कि वह "डिजिटल अरेस्ट" में है। इस मानसिक दबाव के चलते कारोबारी ने करीब 40 दिनों में 58.13 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए, जिसे उसकी जीवनभर की कमाई बताया गया है।

महाराष्ट्र साइबर के अनुसार, ठगी की रकम को छिपाने के लिए करीब 10 हजार फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। ये खाते 13 अलग-अलग लेयर में बनाए गए थे ताकि पैसों की असली ट्रेल पकड़ में न आए।

ब्रीफ न्यूज़

शिंदे को झटका, वार्ड संख्या 17ए में चुनाव पर अंतरिम रोक

नवी मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रभाग क्रमांक 17 (ए) में चुनावी प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह फैसला भाजपा उम्मीदवार नीलेश भोजने की याचिका पर सुनवाई के बाद आया है, जिनका नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर (RO) ने अवैध निर्माण के आधार पर रद्द कर दिया था। भाजपा उम्मीदवार नीलेश भोजने ने वार्ड 17 (ए) से अपना नामांकन दाखिल किया था, जिसे चुनावी अधिकारी ने शिवसेना (शिंदे गुट) के जिला प्रमुख किशोर पादकर की शिकायत पर खारिज कर दिया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि भोजने की संपत्ति पर अवैध निर्माण किया गया है। इसके बाद भाजपा ने रणनीति बदलते हुए निर्दलीय उम्मीदवार दर्शन भोइर को समर्थन देने का फैसला किया था। हालांकि, भोजने ने इस कार्रवाई को 'मनमाना' बताते हुए सीधे बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अखंड की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए रिटर्निंग ऑफिसर के निर्णय पर संदेह जताया। अदालत ने माना कि महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम की जिस धारा 10 (1D) के तहत नामांकन रद्द किया गया।

द बर्निंग ट्रेन

धू-धूकर जल उठी मुंबई लोकल ट्रेन

- ट्रेन का पूरा डिब्बा आग में जलकर खाक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में गुरुवार शाम भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज़ थीं कि वह दूर तक दिखाई दे रही थीं। यह घटना कुर्ला और विद्याविहार स्टेशन के बीच करीब शाम 8:30 बजे हुई। गनीमत यह रही कि जिस ट्रेन में आग लगी, वह उस समय खाली थी, जिससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

आग की वजह से मध्य रेलवे की लोकल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं और कई ट्रेनें रोकनी पड़ीं। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड के साथ-साथ स्थानीय लोगों की भी मदद ली गई। सुरक्षा के मद्देनज़र रेलवे प्रशासन ने घाटकोपर और सायन स्टेशन के बीच ओवरहेड वायर में करंट पूरी तरह बंद कर दिया था। करीब रात 9 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया, जिसके बाद धीरे-धीरे ट्रेनों की आवाजाही शुरू की गई।

जनगणना 2027

1 अप्रैल से सितंबर के बीच होगा पहला फेज

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरुआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। एमएचए ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

भाजपा ने शिंदे सेना को 'डोरमैट' बनाया : उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आगामी 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनावों से पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भारतीय जनता पार्टी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। एक विशेष साक्षात्कार में ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीति हमेशा से 'इस्तेमाल करो और फेंक दो' की रही है। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मात्र एक 'डोरमैट' (पायदान) बना दिया है, जिसका उपयोग केवल अपनी सत्ता साधने के लिए किया जा रहा है। उद्धव ने अफसोस जताते हुए कहा कि उन्हें दुख है कि उन्होंने 2014 और 2019 में जिस नेतृत्व के लिए प्रचार किया।

'जमीनी स्तर पर शिवसेना को खत्म करना नामुमकिन'

उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि भले ही कागजों पर और सत्ता के बल पर शिवसेना को तोड़ने का दावा किया जा रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर पर शिवसैनिक आज भी उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने शिंदे गुट को भाजपा की कठपुतली बताते हुए आरोप लगाया कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना भाजपा का पुराना सपना है, और शिंदे गुट इसमें मूकदर्शक बना हुआ है। ठाकरे ने हुंकार भरते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे की विरासत को खत्म करने की कोशिश करने वाले खुद खत्म हो जाएंगे, क्योंकि जनता गद्दारी को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

'अब कभी अलग नहीं होंगे भाई'

साक्षात्कार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राज ठाकरे के साथ उनके पुनर्मिलन पर था। उद्धव ने स्पष्ट शब्दों में घोषणा की कि वह और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे अब भविष्य में कभी अलग नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि रहम काफी सोच-विचार और आपसी सहमति के बाद कई वर्षों बाद फिर से एक साथ आए हैं।

फिलिस्तीन के नाम पर अवैध वसूली, मामला दर्ज

एजेंसी । बीड

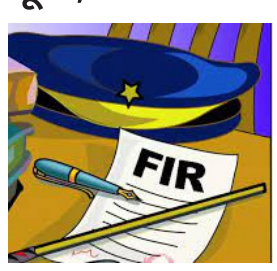

महाराष्ट्र के बीड में फिलिस्तीन को सहयोग देने के नाम पर फर्जी तरीके से चार करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूलने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, यह पैसा एक ऐसे ट्रस्ट के बैंक खाते में जमा किया गया था, जो चैरिटी कमिश्नर के यहां पंजीकृत नहीं था। इसी वजह से धन संग्रह को गैरकानूनी माना गया है।

रिपोर्ट

2023 में हुए जनगणना के आंकड़ों में चौंकाने वाला खुलासा

कभी स्कूल नहीं गए 63 प्रतिशत पाकिस्तानी युवा

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान की हालिया जनगणना 2023 के आंकड़ों ने देश के भविष्य पर एक बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान की 63 प्रतिशत युवा आबादी और लगभग 23 प्रतिशत किशोरों ने अपने जीवन में कभी भी औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की है। यह गंभीर स्थिति लाखों युवाओं को समाज की मुख्यधारा से काटकर हाशिये पर धकेल रही है, जिससे देश में एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक असंतुलन पैदा होने का खतरा मंडरा रहा है।

महिलाओं की स्थिति अत्यंत चिंताजनक

'सस्टेनेबल डेवलपमेंट पॉलिसी इंस्टीट्यूट' और 'यूएनएफपीए' द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि शिक्षा का यह संकट महिलाओं के लिए और भी अधिक भयावह है। रिपोर्ट के अनुसार, 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग की लगभग 75 प्रतिशत महिलाएं कभी स्कूल नहीं गईं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा लगभग 50 प्रतिशत है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल साक्षरता की कमी नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को जीवन भर के लिए बेहतर रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक भागीदारी से वंचित करने जैसा है।

आर्थिक तंगी और सामाजिक कुरीतियाँ बनीं बड़ी बाधा

अध्ययन में स्कूल छोड़ने के कारणों का भी विस्तार से विश्लेषण किया गया है। लगभग 75 प्रतिशत युवाओं के स्कूल न जाने या बीच में पढ़ाई छोड़ने का सबसे प्रमुख कारण आर्थिक तंगी है। इसके अतिरिक्त, घरेलू जिम्मेदारियां, काम का बोझ, गांवों में स्कूलों की कमी और असुरक्षित परिवहन जैसी समस्याओं ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। विशेष रूप से लड़कियों के मामले में, कम उम्र में शादी और उत्पीड़न का डर उनकी शिक्षा के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरा है।

भविष्य की चुनौतियों का आकलन

रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों में किए गए इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि स्कूल से बाहर रहने वाले (आउट ऑफ स्कूल) युवाओं को दोबारा नागरिक जीवन और रोजगार से कैसे जोड़ा जाए। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि इस 'उपेक्षित वर्ग' के लिए तत्काल ठोस नीति निर्माण नहीं किया गया, तो पाकिस्तान को आने वाले दशकों में भारी बेरोजगारी और सामाजिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

कारोबारी से बंदूक की नोक पर दो करोड़ की लूट

ठाणे। ठाणे में कर्नाटक के एक कारोबारी को बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर लगभग दो करोड़ रुपये लूटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में 40 वर्षीय अंकित बापू थोम्ब्रे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह घटना बीते 15 से 18 दिसंबर के बीच हुई थी। आरोपी अंकित ने कर्नाटक के एक कारोबारी को अपनी फर्म में निवेश का झांसा देकर ठाणे बुलाया और फिर उसे अलग-अलग होटलों में बंधक बनाकर रखा और लूट को अंजाम दिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल वाहन भी बरामद कर लिया है और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अमित ठाकरे ने बालासाहेब सरवदे के लिए मांगा न्याय

सोलापुर/मुंबई: सोलापुर महानगरपालिका चुनाव के दौरान मनसे पदाधिकारी बालासाहेब सरवदे की निर्मम हत्या ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। नामांकन वापसी के दिन हुई इस वारदात के बाद स्थानीय स्तर पर भाजपा नेताओं पर भी आरोप लग रहे हैं। इस बीच, मनसे नेता अमित ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर मामले की उच्च स्तरीय जांच और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की पुरजोर मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में अमित ठाकरे ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि बालासाहेब सरवदे की जिस क्रूरता के साथ हत्या की गई, उसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने लिखा, ₹राजनीति इस स्तर तक गिर सकती है, इसकी कभी कल्पना भी नहीं की गई थी।₹ अमित ठाकरे ने इस बात पर गहरा दुख जताया कि चुनावी रंजिश के चलते एक हंसते-खेलते परिवार को तबाह कर दिया गया। अमित ठाकरे ने पत्र में अपने सोलापुर दौरे का जिक्र करते हुए बताया कि जब वे सरवदे के घर गए, तो वहां का दृश्य दिल दहला देने वाला था। उन्होंने लिखा, ₹बालासाहेब की दो छोटी बेटियों को यह भी नहीं पता कि उनके पिता अब कभी लौटकर नहीं आएंगे। उन मासूम बच्चियों को अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करते देख मन विचलित हो जाता है।₹ उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि इन मासूमों के भविष्य को देखते हुए सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए।

समृद्धी एक्सप्रेस वे पर 9 से 13 जनवरी तक ट्रैफिक रहेगा बंद

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल ने 9 से 13 जनवरी 2026 के बीच समृद्धी महामार्ग पर ट्रैफिक अस्थायी रूप से बंद रखने का फैसला किया है। इस दौरान एक्सप्रेस वे पर Highway Traffic Management System के तहत गैन्ट्री लगाने का काम किया जाएगा। MSRDC के मुताबिक, समृद्धी एक्सप्रेस वे को और ज्यादा सुरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए गैन्ट्री इंस्टॉलेशन का काम जरूरी है। इसी वजह से अलग-अलग हिस्सों में कुछ समय के लिए ट्रैफिक पूरी तरह रोका जाएगा। यह बंदी स्थायी नहीं होगी, बल्कि काम पूरा होते ही फिर से ट्रैफिक चालू कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, इन पांच दिनों में एक्सप्रेस वे पर 10 चरणों में काम किया जाएगा। हर चरण में ट्रैफिक को 45 से 60 मिनट के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा। यह बंदी अलग-अलग स्थानों और तय समय पर होगी। Mumbai–Nagpur Corridor पर रोज कुछ समय के लिए ट्रैफिक रोका जाएगा और काम खत्म होने के बाद दोबारा शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने पेश किया ठाणे का 'विकास विजन'

2030 तक मेट्रो से जुड़ेगा पूरा शहर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठाणे जिले सहित संपूर्ण मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) की बुनियादी जरूरतों और नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं को हल करने के लिए एक विस्तृत एक्शन प्लान पेश किया है। ठाणे के राम गणेश गडकरी रंगायतन में आयोजित एक विशेष चर्चा सत्र में उन्होंने ठाणेकरों को भरोसा दिलाया कि शहर का विकास पर्यावरण के अनुकूल और डेटा-आधारित होगा। आगामी ठाणे महानगर पालिका चुनावों की पृष्ठभूमि में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर भविष्य के स्मार्ट और आधुनिक ठाणे की रूपरेखा साझा की।

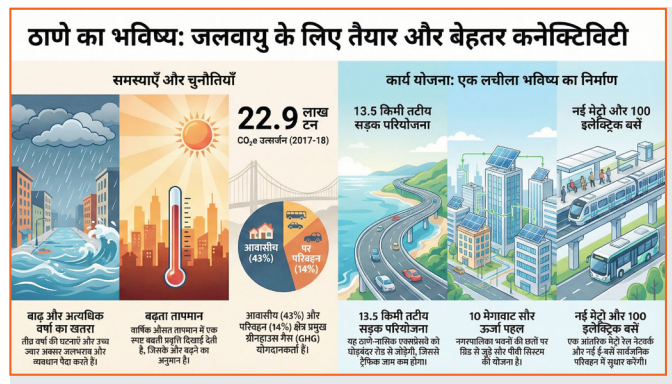

मेट्रो और कोस्टल रोड का मेगा प्लान

ठाणे और MMR क्षेत्र में ट्रैफिक की गंभीर समस्या पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले पांच वर्षों में मेट्रो के संकल्प को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित किया कि 2030 तक सभी मेट्रो स्टेशनों को ठाणे से जोड़ दिया जाएगा। इसके अलावा, शहर के भीतर भीड़भाड़ कम करने के लिए एक 'कनेक्टिविटी रिंग' बनाई जाएगी, जिसमें कोस्टल रोड को इस तरह जोड़ा जाएगा कि भारी और बाहरी ट्रैफिक शहर के बाहर से ही निकल जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' योजना के तहत हर व्यक्ति तक सुगम परिवहन पहुँचाया जाएगा।

कचरा मुक्त ठाणे

शहर में सॉलिड वेस्ट और डंपिंग की समस्या पर चर्चा करते हुए फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का हवाला दिया। उन्होंने घोषणा की कि अगले तीन से चार वर्षों में सभी पारंपरिक डंपिंग ग्राउंड बंद कर दिए जाएंगे। इनकी जगह आधुनिक 'बायो-माइनिंग' प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएंगे, जो कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करेंगे। इस पहल का उद्देश्य ठाणे को प्रदूषण मुक्त बनाना और शहरी जमीन को कचरे के ढेरों से मुक्त कराकर पर्यावरण को बेहतर बनाना है।

कोलशेत-दिवा में बनेगा 'ग्रोथ हब' और वॉटर टैक्सी की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने ठाणे को एक आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना साझा की। उन्होंने बताया कि घोड़बंदर रोड की भीड़भाड़ कम करने और जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए कोलशेत-दिवा क्षेत्र में एक विशेष सेंटर बनाया जाएगा। यहाँ वॉटर टैक्सी शुरू करने की योजना है, जिससे ठाणे से मुंबई और अन्य इलाकों का सफर तेज और सुहाना होगा। साथ ही, युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने हेतु शहर में 'इनक्यूबेशन सेंटर' स्थापित किए जाएंगे।

दिग्गजों की उपस्थिति में संवाद

इस विशेष चर्चा सत्र का संचालन संपादक मिलिंद बल्लाल और प्रसिद्ध अभिनेत्री तेजश्री प्रधान ने किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, विधायक संजय केलकर, विधायक एडवोकेट निरंजन डावखरे और कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। 'देवाभाऊ' के नाम से लोकप्रिय फडणवीस को सुनने के लिए ठाणेकरों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। कार्यक्रम का 24 अलग-अलग स्थानों पर लाइव प्रसारण किया गया, जहाँ नागरिकों ने तालियों के साथ मुख्यमंत्री के विजन का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में आंकड़ों के साथ भविष्य के शहरों की बदलती तस्वीर पेश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि ठाणे का विकास केवल कंक्रीट के ढांचे खड़ा करना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारना है। पानी की सप्लाई, स्वच्छता और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को तकनीक से जोड़कर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा कर सके।

गग्गर परिवार की पुत्रवधू वर्षिका ने अमेरिका में फहराया परचम

'यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास' से बनीं गोल्ड मेडलिस्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/डलास

मुंबई में रहने वाले मोलासर गाँव के गग्गर परिवार की पुत्रवधू वर्षिका अरिहंत गग्गर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में एक असाधारण कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्षिका ने अमेरिका के डलास, टेक्सास स्थित प्रतिष्ठित 'यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डलास' से 'मास्टर ऑफ साइंस इन फाइनेंस' (MS in Finance) की उपाधि गोल्ड मेडल के साथ प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल गग्गर परिवार, बल्कि देश का नाम भी वैश्विक पटल पर रोशन किया है।

परिवार का अटूट सहयोग और जीवनसाथी की प्रेरणा

वर्षिका की इस स्वर्णिम सफलता के पीछे उनके ससुर श्री प्रहलाद जी गग्गर, सास श्रीमती उषा गग्गर और पति श्री अरिहंत गग्गर का अथक परिश्रम और अटूट समर्पण निहित है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, अरिहंत के निरंतर सहयोग और प्रेरणा के बिना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह सपना साकार होना संभव नहीं था। गग्गर परिवार ने एक सशक्त पारिवारिक आधार प्रदान कर यह सिद्ध किया है कि यदि बहू को बेटी जैसा प्रेम और समर्थन मिले, तो वह आकाश की ऊंचाइयों को छू सकती है। वर्षिका की शैक्षणिक यात्रा अत्यंत प्रभावशाली रही है। इस अंतरराष्ट्रीय डिग्री से पूर्व ही उन्होंने CA (Chartered Accountant) और CFA (Chartered Financial Analyst) जैसी कठिन और प्रतिष्ठित डिग्रियाँ प्राप्त कर अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और दृढ़ निश्चय का परिचय दे दिया था। उनकी इस सफलता में उनके मामा ससुर और मुंबई के सुप्रसिद्ध समाजसेवी व उद्योगपति श्री जगदीश जी चुन्नीलाल जी सोमानी के संस्कारों और प्रेरणा का भी बड़ा योगदान रहा है।

ईवीएम की तैयारियों का जायजा लेने विल्सन कॉलेज पहुँचे चुनाव आयुक्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों की तारीख नजदीक आते ही प्रशासनिक तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू हो गई हैं। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने गुरुवार को गिरगांव स्थित विल्सन कॉलेज का दौरा किया, जहाँ ईवीएम (EVM) मशीनों को सील करने और उन्हें चुनाव के लिए तैयार करने का काम चल रहा है। आयुक्त ने इस दौरान चल रही 'कमीशनिंग' प्रक्रिया का सूक्ष्म निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के कड़े निर्देश दिए।

वार्ड 214 से 222 के लिए 610 ईवीएम तैयार

विल्सन कॉलेज को वार्ड संख्या 214 से 222 के लिए चुनावी केंद्र बनाया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर बालासाहेब वाघचौरे ने आयुक्त को जानकारी दी कि इन नौ वार्डों में कुल 467 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए कुल 610 ईवीएम मशीनें तैयार की जा रही हैं, जिनमें बैकअप मशीनें भी शामिल हैं। आयुक्त ने मशीनों की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया और उनके भंडारण की सुरक्षा व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान दिनेश वाघमारे ने न केवल कर्मचारियों से बात की, बल्कि वहां उपस्थित विभिन्न राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने शहर के लिए पेश किया 2700 करोड़ का रोडमैप

संभाजीनगर बनेगा 'ग्लोबल एआई हब'

डीबीडी संवाददाता । छत्रपति संभाजीनगर

महानगरपालिका चुनाव के उत्साह के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को 'डिजिटल टॉक शो' के जरिए शहर की जनता से सीधा संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि दावोस (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) से छत्रपति संभाजीनगर के लिए विशेष निवेश लाया जाएगा। उन्होंने शहर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और उच्च तकनीक का वैश्विक केंद्र बनाने का संकल्प व्यक्त किया। शहर के लगभग 90 वार्डों में एलईडी स्क्रीन पर इस संवाद का सीधा प्रसारण किया गया, जहाँ नागरिकों ने सीएम के विजन का जोरदार स्वागत किया।

2700 करोड़ की योजना अंतिम चरण में

शहरवासियों की सबसे बड़ी समस्या 'पानी' पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने बड़ी राहत दी। उन्होंने बताया कि शहर की महत्वाकांक्षी जल योजना के पंप का सफल परीक्षण हो चुका है। फडणवीस ने कहा, वर्ष 2015 में हमने 1600 करोड़ की योजना शुरू की थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के कारण हुई देरी से अब इसकी लागत 2700 करोड़ हो गई है।₹ उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले दो महीनों के भीतर हर घर तक नियमित पानी पहुँचाया जाएगा, जिससे शहर का दशकों पुराना जल संकट हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा।

एमआईएम से समझौता नहीं

राजनीतिक विचारधारा पर चर्चा करते हुए फडणवीस ने दो टूक कहा कि भाजपा कभी भी एमआईएम के साथ समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ₹हमें एक बार घर बैठना मंजूर है, लेकिन एमआईएम से गठबंधन नहीं।₹ इतिहास के संदर्भ में उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि औरंगजेब न तो भारतीय संस्कृति का नायक था और न ही मुस्लिमों का, इसलिए उसकी निशानियों को सहेजने या महिमामंडन करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलने का आह्वान किया। शहर के बुनियादी ढांचे पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर को गड्ढा-मुक्त शहर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर की डीपी (डेवलपमेंट प्लान) सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया जा चुका है। साथ ही, दो बड़े एमआईडीसी (MIDC) क्षेत्रों को जोड़कर इसे एक 'ग्रोथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हों और कानून का राज मजबूती से स्थापित रहे।

शिवसेना से गठबंधन क्यों टूटा: स्थानीय नेतृत्व पर फोड़ा ठीकरा

गठबंधन के मुद्दे पर पहली बार खुलकर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने शिवसेना के साथ तालमेल बनाए रखने की पूरी कोशिश की थी। उन्होंने खुलासा किया कि भाजपा 4 सीटें कम लेने पर भी तैयार थी, लेकिन शिवसेना के स्थानीय नेताओं के बीच आपसी मतभेद और बार-बार बदलती शर्तों के कारण सहमति नहीं बन सकी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय नेतृत्व की गुटबाजी ही गठबंधन टूटने की मुख्य वजह बनी, इसलिए अब भाजपा अपने दम पर चुनावी मैदान में उतर रही है।

भिगवन गुड्स शेड में 'स्टील बार' की हैंडलिंग शुरू

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। डिवीजन ने अपने अपग्रेड किए गए भिगवन गुड्स शेड में पहली बार नई कमोडिटी ₹स्टील बार₹ की अनलोडिंग सफलतापूर्वक शुरू कर दी है। यह सफलता भिगवन में नई चालू की गई हैंडलिंग लाइन और सर्कुलेटिंग एरिया के विकास कार्य पूरा होने के तुरंत बाद मिली है, जिससे अब यहाँ बड़े पैमाने पर माल की लोडिंग-अनलोडिंग संभव हो गई है।

सुरक्षा मानकों और अधिकारियों की निगरानी में हुआ संचालन

अनलोडिंग की इस पूरी प्रक्रिया के दौरान वाणिज्यिक, कैरिज एंड वैगन (C&W) और इलेक्ट्रिकल TRD विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौके पर तैनात रहे। परिचालन के दौरान सुरक्षा मानकों (Safety Standards) का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया। श्रमिकों को सुरक्षित कार्य प्रथाओं और परिचालन के तकनीकी पहलुओं पर विशेष सलाह दी गई ताकि बिना किसी बाधा के कार्य संपन्न हो सके।

छत्तीसगढ़ से आई 46 वैगनों वाली पहली रेक

स्टील बार से लदी पहली रेक, जिसमें 46 BOSM वैगन (ब्रॉड गेज बोगी ओपन स्टील वैगन) शामिल थे, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर (जिंदल साइडिंग) से प्राप्त हुई। इस खेप को बारामती स्थित 'किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड' के लिए हैंडल किया गया है। बुनियादी ढांचे में सुधार, विशेष रूप से वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए विकसित सर्कुलेटिंग एरिया ने इस कुशल हैंडलिंग को सुगम बनाया है।

MIDC उद्योगों से गुड्स शेड का लाभ उठाने की अपील

सीनियर डीसीएम (सोलापुर) श्री योगेश पाटिल ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए पुणे, बारामती और सोलापुर क्षेत्रों के एमआईडीसी (MIDC) उद्योगों से अपील की है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को भिगवन में हाल ही में अपग्रेड किए गए आधुनिक गुड्स शेड का लाभ उठाना चाहिए। यह केंद्र अब उद्योगों की लॉजिस्टिक्स जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस है।

BDU पहल के तहत माल ढुलाई बास्केट का विस्तार

यह नया परिचालन बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (BDU) की सक्रिय पहल का परिणाम है। रेलवे अपनी माल ढुलाई बास्केट (Freight Basket) का विस्तार करने और अधिक से अधिक उद्योगों को रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। स्टील बार की इस पहली खेप के साथ सोलापुर डिवीजन ने साबित कर दिया है कि वह विविध प्रकार के माल को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ठाणे चुनाव में दलों का मेल सिर्फ कागजी

खुद के प्रचार में जुटे प्रत्याशी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दलों के गठबंधन की असल तस्वीर सामने आने लगी है। बाहर से भले ही अलायंस, संयुक्त बैठकें और साझा प्रचार की बातें की जा रही हों, लेकिन ज़मीनी स्तर पर प्रत्याशी अपनी व्यक्तिगत चुनावी रणनीतियों में ज्यादा सक्रिय नजर आ रहे हैं।

भीतर ही भीतर टकराव की चर्चा

कुछ वार्डों में गठबंधन के उम्मीदवारों के बीच परोक्ष रूप से एक-दूसरे के खिलाफ प्रचार की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं।

वोटरों में भ्रम, नतीजों पर असर की आशंका

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति गठबंधन की विश्वसनीयता के लिए नुकसानदायक हो सकती है और इससे मतदाताओं में भ्रम पैदा हो रहा है। साफ संकेत मिल रहे हैं कि ठाणे का यह चुनाव पार्टी बनाम पार्टी से ज्यादा प्रत्याशी बनाम प्रत्याशी की लड़ाई बनता जा रहा है, जिसका सीधा असर वोट बंटवारे और अंतिम नतीजों पर पड़ सकता है।

व्यक्तिगत ताकत पर ज्यादा भरोसा

अलायंस या गठबंधन के प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे कई उम्मीदवार पार्टी या गठबंधन की सामूहिक ताकत पर निर्भर रहने के बजाय अपनी व्यक्तिगत पहचान, आर्थिक संसाधन, सामाजिक समीकरण, भावनात्मक अपील और अंदरूनी सेटिंग्स के जरिए वोट पक्के करने में जुटे दिखाई दे रहे हैं। सार्वजनिक मंचों पर एकजुटता के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन पर्दे के पीछे अलग ही चुनावी गणित चल रहा है।

ठाणे चुनाव ड्यूटी में लापरवाही पड़ी भारी

गैरहाजिर कर्मचारियों पर दर्ज होगा आपराधिक केस

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

आगामी ठाणे नगर निगम चुनाव के सुचारू संचालन को लेकर प्रशासन ने बेहद कड़ा रुख अपना लिया है। ठाणे मनपा आयुक्त और मुख्य चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव कार्य के लिए नियुक्त जो कर्मचारी कारण बताओ नोटिस मिलने के बावजूद ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए हैं, उनके खिलाफ अब आपराधिक मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कमिश्नर ने सख्त लहजे में कहा है कि चुनाव एक संवैधानिक प्रक्रिया है और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सरकारी आदेशों के उल्लंघन पर 'लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम' के तहत एक्शन

चुनाव अधिकारी सौरभ राव के अनुसार, कई कर्मचारियों को बार-बार निर्देश और व्यक्तिगत नोटिस भेजे गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने सरकारी आदेशों की अवहेलना की है। ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ अब 'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट' (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम) और अन्य संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का यह कदम उन कर्मचारियों के लिए एक कड़ी चेतावनी है जो बिना किसी ठोस कारण के चुनाव ड्यूटी से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ठाणे नगर निगम के चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहे हैं, जिसे लेकर प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह सक्रिय है। कमिश्नर राव ने साफ किया कि प्रशासन एक पारदर्शी, सुचारू और भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी बहाने के तुरंत अपनी ड्यूटी पर रिपोर्ट करें। भविष्य में भी चुनाव कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी दी गई है।

भाजपा एनसीपी ने कसी कमर

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद

प्रियंका दामले होंगी उपाध्यक्ष पद की उम्मीदवार

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

ठाणे जिले की कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद में उपाध्यक्ष पद के लिए होने वाले आगामी चुनाव ने शहर का राजनीतिक पारा बढ़ा दिया है। सत्ताधारी भाजपा-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) गठबंधन ने अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए एनसीपी की नगरसेविका प्रियंका दामले को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। शुक्रवार को होने वाले इस चुनाव के लिए गठबंधन ने संख्या बल और कानूनी घेराबंदी, दोनों मोर्चों पर तैयारी पूरी कर ली है।

भाजपा का व्हिप और 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स' की चर्चा

चुनाव में किसी भी प्रकार की क्रॉस वोटिंग या सेंधमारी को रोकने के लिए भाजपा के गुटनेता शरद तेली ने गठबंधन के सभी नगरसेवकों के लिए पार्टी का विधिवत व्हिप जारी कर दिया है। व्हिप के अनुसार, सभी सदस्यों को अनिवार्य रूप से प्रियंका दामले के पक्ष में मतदान करना होगा। दिलचस्प बात यह है कि राजनीतिक उठापटक से बचने के लिए गठबंधन के सभी नगरसेवकों को पिछले दो दिनों से एक अज्ञात स्थान पर रखा गया है, और वरिष्ठ नेताओं ने मीडिया से दूरी बना ली है।

शिवसेना (शिंदे गुट) की चुप्पी

जहाँ एक तरफ भाजपा-एनसीपी गठबंधन ने अपने पत्ते खोल दिए हैं, वहीं विपक्षी शिवसेना (शिंदे गुट) ने अब तक अपने उम्मीदवार के नाम का खुलासा नहीं किया है। राजनीतिक विशेषज्ञ के अनुसार, संख्या बल के अभाव में शिवसेना ऐसा कर रही है।

49 सदस्यों वाली परिषद का गणित

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के मौजूदा समीकरणों पर गौर करें तो यहाँ कुल 49 नगरसेवक हैं। इनमें शिवसेना के 24 सदस्य हैं, जबकि भाजपा के 22 और एनसीपी के 3 सदस्य हैं। भाजपा और एनसीपी के हाथ मिलाने से गठबंधन का आंकड़ा 25 तक पहुँच जाता है, जो बहुमत के लिए आवश्यक जादुई आंकड़े को पार करता है। इसी बहुमत के आधार पर गठबंधन अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त दिख रहा है।

एनसीपी को पद देने का पुराना समझौता

नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव पहले ही संपन्न हो चुका है, जिसमें प्रत्यक्ष पद्धति से भाजपा की रुचिता घोरपड़े ने जीत हासिल की थी। गठबंधन की शर्तों के अनुसार, यह पहले ही तय हो चुका था कि अध्यक्ष पद भाजपा के पास रहेगा और उपाध्यक्ष पद एनसीपी को दिया जाएगा। प्रियंका दामले की उम्मीदवारी इसी पूर्व-निर्धारित समझौते का हिस्सा है, जिससे गठबंधन की एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की गई है। उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान की प्रक्रिया नगर पालिका मुख्यालय के सभागृह में आयोजित की जाएगी। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया की अध्यक्षता स्वयं नपा अध्यक्ष रुचिता घोरपड़े करेंगी। जानकारों का मानना है कि यदि कोई बड़ा उलटफेर नहीं हुआ, तो व्हिप और संख्या बल के दम पर प्रियंका दामले का निर्विरोध या बड़े अंतर से निर्वाचित होना लगभग तय है।

नामांकन रद्द होने पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

शुक्रवार को होगी 'स्पेशल' सुनवाई

मुंबई। अगले सप्ताह होने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विभिन्न वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के नामांकन पत्र तकनीकी आधार पर खारिज किए जाने के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (PIL) दायर की गई है। मामले की गंभीरता और चुनाव की निकटता को देखते हुए, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस पर शुक्रवार को आपातकालीन सुनवाई करने का निर्णय लिया है। याचिकाकर्ता मोअज्जम अली मीर ने अपनी याचिका में चुनाव अधिकारियों और बीएमसी प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। याचिका में कहा गया है कि वार्ड 1 से 227 तक के निर्वाचन अधिकारियों और जिला चुनाव अधिकारी ने विपक्षी दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों के आवेदन ₹मनमाने ढंग₹ से खारिज किए हैं।

याचिकाकर्ता का दावा है कि ऐसा सत्ताधारी दल को खुश करने और उन्हें 'वॉकओवर' देने की मंशा से किया गया है।

ना-हरकत प्रमाण पत्र (NOC) बना विवाद की जड़

अधिकांश उम्मीदवारों के फॉर्म इसलिए खारिज किए गए क्योंकि वे बीएमसी के पांच विभागों—पुलिस, जल, कर, मल-निकासी और संपत्ति—से ना-हरकत प्रमाण पत्र (NOC) जमा करने में विफल रहे थे। याचिका में तर्क दिया गया है कि चूंकि ये विभाग सीधे बीएमसी प्रशासन के अधीन हैं, इसलिए उम्मीदवारों से इनकी मांग करना तर्कहीन और संवैधानिक समानता के अधिकार का उल्लंघन है। यह भी आरोप है कि विपक्षी उम्मीदवारों को एनओसी मिलने में जानबूझकर देरी की गई।

सात दिन की समय सीमा पर भी उठा सवाल

याचिकाकर्ता ने नामांकन दाखिल करने के लिए दी गई सात दिनों की छोटी समय सीमा को भी चुनौती दी है। उनका कहना है कि इतने कम समय में इतने सारे विभागों से एनओसी और अन्य दस्तावेज जुटाना लगभग असंभव था। याचिका में मांग की गई है कि जिन उम्मीदवारों के आवेदन मामूली या तकनीकी कारणों से खारिज हुए हैं, उन्हें फिर से आवेदन करने या त्रुटियों को सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए। याचिका में बीएमसी प्रशासन पर राज्य चुनाव आयोग (SEC) के विशेष अधिकारों को हथियाने का भी आरोप लगाया गया है। मीर के अनुसार, बीएमसी केवल चुनाव संपन्न कराने वाली एक एजेंसी है, उसे पात्रता की नई शर्तें थोपने या चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचित नियमों में बदलाव करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। प्रशासन द्वारा अपनी ओर से 'मांग सूची' (Requirement List) जारी करना असंवैधानिक बताया गया है।

लोकतंत्र के मौलिक अधिकार का हनन

बांद्रा पूर्व निवासी याचिकाकर्ता मोअज्जम अली मीर ने दावा किया है कि अधिकारियों की इस तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई के कारण कई योग्य नागरिकों ने चुनाव लड़ने का अपना मौलिक अधिकार खो दिया है। याचिका में इसे राज्य चुनाव आयोग के संवैधानिक ढांचे को कमजोर करने का एक सीधा प्रयास करार दिया गया है।

शुक्रवार की सुनवाई पर टिकीं सबकी निगाहें

बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा इस याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए सहमत होने से उन सैकड़ों उम्मीदवारों में उम्मीद जगी है जिनके नामांकन रद्द हो गए थे। यदि शुक्रवार को अदालत याचिकाकर्ता के पक्ष में कोई अंतरिम आदेश देती है, तो बीएमसी चुनाव के पूरे समीकरण बदल सकते हैं। इससे मतदान की तारीखों या नामांकन की प्रक्रिया पर भी असर पड़ सकता है, जिससे पूरे मुंबई के राजनीतिक गलियारों में खलबली मची हुई है।

तानाशाही और धनबल से लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश: शशिकांत शिंदे

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) गुट के प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने सत्ताधारी महायुति सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि आगामी नगर निगम चुनावों में पैशों के दम पर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीधे जनता द्वारा चुने गए नगर अध्यक्षों को तोड़ने के लिए सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है और निर्विरोध पार्षद चुनने के लिए बड़े पैमाने पर पैसों का लालच दिया जा रहा है। शिंदे ने तीखे शब्दों में कहा कि राज्य में 'तानाशाही' की प्रवृत्ति हावी हो गई है, जहाँ विपक्षी उम्मीदवारों और नेताओं को धमकियां दी जा रही हैं और डराया-धमकाया जा रहा है।

मुंबई को तोड़ने की साजिश और स्वाभिमान की लड़ाई

मुंबई के महत्व को रेखांकित करते हुए शिंदे ने कहा कि 105 शहीदों के बलिदान से मिली इस मुंबई को तोड़ने की गहरी साजिश रची जा रही है। उन्होंने सत्ताधारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अब तक राजनीति विकास के मुद्दों पर होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार विकास को किनारे रखकर चुनाव को धार्मिक और जातीय रंग दे रही है। शिंदे ने आरोप लगाया कि सत्ता और संपत्ति के जोर पर मुंबई की कीमती जमीनों को हड़पने का खेल चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि मुंबईकरों के स्वाभिमान को ठेस पहुँचाई गई है, इसलिए अब जनता ने खुद महाराष्ट्र के हित के लिए यह चुनाव अपने हाथों में ले लिया है। शशिकांत शिंदे ने भाजपा के हिंदुत्व पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा, ₹क्या भाजपा ने हिंदुत्व का ठेका ले रखा है?

प्रख्यात पर्यावरणविद डॉ. माधव गाडगिल का निधन, देश ने खोया 'धरती पुत्र'

पुणे। प्रख्यात वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और पारिस्थितिकी चिंतक डॉ. माधव गाडगिल (82) का बीती रात पुणे स्थित डॉ. शिरीष प्रयाग अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में उनका इलाज जारी था। उनके निधन की जानकारी उनके पुत्र सिद्धार्थ गाडगिल ने गुरुवार को दी।

सिद्धार्थ गाडगिल ने बताया कि डॉ. माधव गाडगिल का अंतिम संस्कार शाम गुरुवार को पुणे के वैकुंठ श्मशान घाट में किया गया। उनके निधन से वैज्ञानिक और पर्यावरण जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

भारत के अग्रणी पर्यावरण चिंतक

डॉ. माधव गाडगिल को भारत के सबसे प्रभावशाली पर्यावरणविदों में गिना जाता था। उन्हें 'धरती पुत्र' कहा जाता था। उन्होंने अपना पूरा जीवन पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता, विशेष रूप से पश्चिमी घाट (वेस्टर्न घाट) की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया।डॉ. गाडगिल ने सबसे पहले प्रशासन को आगाह किया था कि पश्चिमी घाट में अनियंत्रित विकास गतिविधियां वहां की जैव विविधता, वन्यजीवों और पारिस्थितिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। उनकी चेतावनियां समय के साथ और अधिक प्रासंगिक साबित हुईं।

गाडगिल रिपोर्ट बनी आईना

वर्ष 2011 में तैयार की गई 'गाडगिल रिपोर्ट' ने विकास के नाम पर पर्यावरण को होने वाले नुकसान की सच्चाई को उजागर किया। इस रिपोर्ट में पश्चिमी घाट के 1,29,037 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील घोषित करने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, कुछ राज्यों ने इसे विकास विरोधी बताते हुए आलोचना की थी। गाडगिल समिति के बाद वैज्ञानिक कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक और समिति बनाई गई, जिसने संवेदनशील क्षेत्र का दायरा 75 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत करने की सिफारिश की। इसके बावजूद यह रिपोर्ट भी आज तक पूरी तरह लागू नहीं हो सकी।

प्राकृतिक आपदाओं पर दूरदर्शी चेतावनी

वर्ष 2021 में डॉ. गाडगिल ने बाढ़ और बादल फटने जैसी आपदाओं पर गहरी चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि वेस्टर्न घाट और हिमालय जैसे क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं और वनों की कटाई व अनियंत्रित विकास ने इन्हें और गंभीर बना दिया है। डॉ. माधव गाडगिल के योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया। उन्हें 2024 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

हलफनामों में खुला उम्मीदवारों की संपत्ति का राज

9 सालों में कई गुना बढ़ा 'खजाना'

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

आगामी 15 जनवरी 2026 को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए राजनीतिक सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। राज्य चुनाव आयोग द्वारा उम्मीदवारों के शपथ पत्र सार्वजनिक किए जाने के बाद प्रमुख राजनीतिक चेहरों की संपत्ति में भारी उछाल देखने को मिला है। पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर से लेकर भाजपा के नील सोमैया तक, लगभग सभी दिग्गज उम्मीदवारों की निजी संपत्ति में पिछले चुनाव के मुकाबले रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है।

समाधान सवरणकर और नील सोमैया की संपत्ति में 400% तक की वृद्धि

संपत्ति के मामले में सबसे लंबी छलांग शिवसेना (शिंदे गुट) के समाधान सवरणकर ने लगाई है। उनकी संपत्ति 2017 के 9.43 करोड़ से बढ़कर अब 46.59 करोड़ हो गई है, जो लगभग 394% की वृद्धि है।

'महापौर कार्यकाल के बाद संपत्ति में 226% का उछाल'

शिवसेना (यूबीटी) की वरिष्ठ नेता और पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर, जो लोअर परेल (वार्ड 199) से मैदान में हैं, की संपत्ति में बड़ा इजाफा हुआ है। हलफनामे के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति अब 5.26 करोड़ हो गई है, जबकि 2017 में यह मात्र 1.61 करोड़ थी। 2019 से 2022 तक मुंबई की महापौर रहने वाली पेडनेकर की अचल संपत्ति 4.69 करोड़ और चल संपत्ति 57 लाख है।

यामिनी जाधव और गीता गावली का वित्तीय लेखा-जोखा

मझगांव (वार्ड 209) से शिवसेना उम्मीदवार यामिनी जाधव ने अपनी कुल संपत्ति 14.57 करोड़ घोषित की है। 2024 के विधानसभा चुनावों के समय उनकी संपत्ति 10.10 करोड़ थी, यानी महज सवा साल में इसमें करीब 4.5 करोड़ का इजाफा हुआ है। वहीं, भायखला-अग्रीपाड़ा से चुनाव लड़ रही गीता गावली की संपत्ति भी 2019 के 3.38 करोड़ से दोगुनी होकर अब 7.26 करोड़ हो गई है।

मध्य रेल ने बिना टिकट यात्रा पर कसी नकेल, जुर्माने में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

मध्य रेल ने अपने यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से अनधिकृत और बिना टिकट यात्रा के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पूरे नेटवर्क में चलाए गए गहन और व्यवस्थित टिकट जांच अभियानों के सकारात्मक और उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल से दिसंबर 2025) के दौरान मध्य रेल की टिकट जांच टीमों ने बिना टिकट, गलत या अमान्य यात्रा प्राधिकरण के साथ यात्रा कर रहे 30.75 लाख यात्रियों को पकड़ा। यह संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि के 28.01 लाख की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक है।

जुर्माने की राशि में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

इस अवधि में यात्रियों से जुर्माने के रूप में 183.16 करोड़ रुपये वसूले गए, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह राशि 151.99 करोड़ रुपये थी। इस प्रकार जुर्माने की वसूली में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 के दौरान बिना टिकट या अवैध प्राधिकरण के साथ यात्रा कर रहे 3.24 लाख यात्रियों को पकड़ा गया, जबकि दिसंबर 2024 में यह संख्या 2.93 लाख थी। इस दौरान 18.25 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया, जो दिसंबर 2024 के 13.55 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक है।

मंडलवार आंकड़े

वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल से दिसंबर 2025) में मंडलवार पकड़े गए मामलों और जुर्माने की राशि इस प्रकार रही। भुसावल मंडल: 7.54 लाख मामले, 63.83 करोड़ रुपये,मुंबई मंडल: 12.82 लाख मामले, 55.12 करोड़ रुपये,पुणे मंडल: 3.41 लाख मामले, 20.84 करोड़ रुपये,नागपुर मंडल: 3.33 लाख मामले, 20.75 करोड़ रुपये,सोलापुर मंडल: 1.81 लाख मामले, 8.39 करोड़ रुपये,मुख्यालय: 1.83 लाख मामले, 14.22 करोड़ रुपये।

बहुआयामी रणनीति से जांच अभियान

मध्य रेल द्वारा स्टेशन चेक, एम्बुश चेक, फोर्ट्रेस चेक, गहन चेक और मेगा टिकट चेकिंग अभियानों जैसी बहुआयामी रणनीति अपनाई जा रही है। ये अभियान सभी मंडलों में मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर, स्पेशल ट्रेनों के साथ-साथ मुंबई और पुणे मंडलों की उपनगरीय ट्रेनों में भी चलाए जा रहे हैं। मध्य रेल यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे केवल अधिकृत स्रोतों से ही वैध टिकट प्राप्त करें। टिकट रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर, एटीवीएम, आईआरसीटीसी वेबसाइट या रेल वन ऐप के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं।

फर्जी टिकट पर सख्त चेतावनी

फर्जी टिकट बनवाना या उन पर यात्रा करना भारतीय न्याय संहिता अधिनियम 2023 के तहत दंडनीय अपराध है, जिसमें जुर्माना और 7 वर्ष तक की कैद या दोनों हो सकते हैं। मध्य रेल बिना टिकट यात्रा के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति दोहराते हुए यात्रियों से जिम्मेदारीपूर्वक यात्रा करने की अपील करता है। सुरक्षित यात्रा करें, गरिमा के साथ यात्रा करें।

PUBLIC NOTICE

By agreement dated 25 september 1984 **M/s. Adarsh Builders** has sold Flat No. G-1, Ground Floor, New Adarsh Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ram Mandir Road, Bhayander (W), Dist. Thane – 401101 to Mr. Waman Raghunath More who expired on 20th April 1993 .they left behind their legal heirs Mrs. Yamuna Waman More (wife) Mr. Hemant Madhukar More (Grand Son) and Kisan Madhukar More (Grand Son). Hemant Madhukar More has released their rights in the name of Mrs. Yamuna More and Mr. Kisan Madhukar More. Mrs. Yamuna Waman More has expired on 17th Aug 2010. After their demise their grandson Mr. Kisan Madhukar More become their solely legal heir in respect of the above said flat and he wants to sale the above said flat prospective purchaser.

If having any objection, claim by any one please contact on below mentioned addressed & Contact Number **within 15 days** from the publication of this notice, else it is considered that no one have any objection regarding the said flat sa le/purchase.

Sd/-
Mr Vivek Singh
Advocate High Court Bombay
Address: C-35, 101, Heli ,sector 11, Miraroad (E) District - Thane - 401107.
Mobile No : 97699 90888

हुंकार: रेखा राम यादव के समर्थन में गोविंदा का रोड शो, गणपत पाटिल नगर में उमड़ा जनसैलाब

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महायुति की उत्तर भारतीय प्रत्याशी रेखा राम यादव के समर्थन में गुरुवार को सिने स्टार और दिग्गज अभिनेता गोविंदा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली। वार्ड क्रमांक-1 के गणपत पाटिल नगर में आयोजित विशाल रोड शो और जनसभा के दौरान गोविंदा को देखने के लिए हजारों की संख्या में समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के जौनपुर (बदलापुर) से विधायक रमेश मिश्र भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विकास का वादा: 'जीत के बाद दोबारा आऊंगा'

प्रचार रथ के गणपत पाटिल नगर पहुँचते ही स्थानीय निवासियों ने पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के साथ महायुति गठबंधन का स्वागत किया। जनता को संबोधित करते हुए गोविंदा ने कहा, ₹रेखा राम यादव एक कर्मठ प्रत्याशी हैं। यदि आप उन्हें चुनकर नगरसेवक बनाते हैं, तो मैं वादा करता हूँ कि इस क्षेत्र के विकास कार्यों का उद्घाटन करने मैं स्वयं दोबारा आपके बीच आऊँगा।

उत्तर भारतीयों के अपमान पर विधायक रमेश मिश्र का पलटवार

रोड शो के दौरान भाजपा विधायक रमेश मिश्र ने विपक्षी खेमे (उद्धव गुट) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने उत्तर भारतीयों के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा, ₹उत्तर भारतीय समाज मेहनती और स्वाभिमानी है, गुंडा नहीं। सत्ता के लालच में झूठी कहानियाँ गढ़कर हमारे लोगों पर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। जनता इस अपमान का बदला 15 जनवरी को मतदान के जरिए देगी। प्रत्याशी रेखा राम यादव ने जनसमर्थन के लिए जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ₹मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के मार्गदर्शन में गणपत पाटिल नगर, कांदरपाड़ा और आईसी कॉलोनी की मूलभूत समस्याओं को सुलझाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। हम इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगे।

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिमी रेलवे डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य- मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन दिखाना

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-48	27.01.2026 को 14:00 बजे

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MSS-BCT-MMCT-MedStn-83-25-1 (Misc-Static-Services – स्टेशन पर मेडिकल सुविधाएँ)	मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन मेडिकल कक्ष (Emergency Medical Room) के माध्यम से 24 घंटे चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना, अवधि 5 वर्ष।	1826	27.01.2026 को 14:30 बजे

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-69	27.01.2026 को 15:00 बजे

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-BVI-OH-467-26-1 आउट ऑफ होम विज्ञापन	बोरीवली स्टेशन (पूर्व दिशा), प्रवेश-निकास गेट पर 27' × 9' आकार के 1 LCD/LED (कुल क्षेत्रफल 243 वर्गफुट) की स्थापना द्वारा बल्क विज्ञापन अधिकार 5 वर्षों के लिए	1826	27.01.2026 15:30 बजे
2	ADVT-BCT-BVI-OH-468-26-1 आउट ऑफ होम विज्ञापन	बोरीवली स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 20 ग्लो-साइन (कुल क्षेत्रफल 592 वर्गफुट) की स्थापना द्वारा बल्क विज्ञापन अधिकार 5 वर्षों के लिए	1826	27.01.2026 15:40 बजे
3	ADVT-BCT-MMCT-OH-459-25-1 आउट ऑफ होम विज्ञापन	मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर 28 ग्लो-साइन यूनिपोल्स की स्थापना द्वारा विज्ञापन प्रदर्शन हेतु बल्क अधिकार 5 वर्षों के लिए	1826	27.01.2026 15:50 बजे
4	ADVT-BCT-MRU-OSN-358-24-1 स्टेशन परिसर (नॉन-डिजिटल) विज्ञापन	माटुंगा रोड (MRU) स्टेशन पर बल्क विज्ञापन अधिकार वर्षों के लिए	1096	27.01.2026 16:00 बजे
5	ADVT-BCT-JOS-OSN-449-25-1 स्टेशन परिसर (नॉन-डिजिटल) विज्ञापन	जोगेश्वरी (JOS) स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर बल्क विज्ञापन अधिकार 3 वर्षों के लिए	1096	27.01.2026 16:10 बजे
6	ADVT-BCT-GMN-OSN-361-25-1 स्टेशन परिसर (नॉन-डिजिटल) विज्ञापन	गोरेगांव (GMN) स्टेशन पर बल्क विज्ञापन अधिकार 3 वर्षों के लिए	1096	27.01.2026 16:20 बजे

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर:-02267644212, ईमेल ID:-acmadvtgbct@gmail.com
नोट: जो लोग बोली लगाना चाहते हैं, उनसे निवेदन है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के हिसाब से डिटेल्स वहाँ बताए गए कैटलॉग में मौजूद हैं।
0986

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फालो करें: X.com/WesternRly

संपादकीय

सत्ता की सर्कस और संगठन का संकट

महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों के बाद उभरी तस्वीर केवल अप्राकृतिक गठबंधनों की कहानी नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक दलों और उनके स्थानीय नेतृत्व के बीच गहराते मतभेदों का भी आईना है। जिन दलों की राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर एक-दूसरे से वैचारिक दुश्मनी मानी जाती है, वे ही दल स्थानीय सत्ता की खातिर एक मंच पर आ खड़े हुए। अंबरनाथ से अकोट तक बने समीकरणों ने न सिर्फ मतदाताओं को चौंकाया, बल्कि यह सवाल भी खड़ा किया कि क्या अब चुनावी नतीजे पार्टी विचारधारा से ज्यादा स्थानीय जोड़-तोड़ से तय होंगे। भाजपा का कांग्रेस और एआईएमआईएम जैसे दलों के साथ स्थानीय स्तर पर हाथ मिलाना इस बात का संकेत है कि संगठन की केंद्रीय लाइन और जमीनी राजनीति के बीच दूरी बढ़ रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सख्त चेतावनी और बाद में नोटिस, निलंबन व कार्रवाई इसी खाई को पाटने की कोशिश मानी जा सकती है। लेकिन सवाल यह है कि अगर पार्टी नेतृत्व को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, तो क्या यह संकेत नहीं कि स्थानीय कार्यकर्ता और नेता सत्ता की राजनीति में संगठनात्मक अनुशासन से ऊपर खुद को रखने लगे हैं? कांग्रेस की स्थिति भी अलग नहीं है। भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले पार्षदों को बाहर करना यह दर्शाता है कि शीर्ष नेतृत्व और स्थानीय इकाइयों के बीच संवाद का अभाव है। जब स्थानीय नेता चुनाव जीतने के बाद ऐसे फैसले लेते हैं जिनसे पार्टी की घोषित नीति उलट जाती है, तो उसका सीधा असर पार्टी की विश्वसनीयता पर पड़ता है। इन घटनाक्रमों ने यह भी साबित किया है कि मतदाता जिस स्पष्ट जनादेश की उम्मीद करता है, वह स्थानीय जोड़-तोड़ की राजनीति में धुंधला पड़ जाता है। चुनाव परिणाम इसलिए चौंकाने वाले नहीं हैं कि किसे कितनी सीटें मिलीं, बल्कि इसलिए कि परिणामों के बाद बने सत्ता-समीकरण मतदाताओं की अपेक्षाओं के ठीक उलट निकले। आज जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। अगर दल और स्थानीय कार्यकर्ता की राजनीति अलग-अलग दिशाओं में चलेगी, तो न केवल गठबंधन बार-बार टूटेंगे, बल्कि लोकतंत्र में भरोसा भी कमजोर होगा। सत्ता की यह 'सर्कस' भले ही कुछ समय के लिए कुर्सी दिला दे, लेकिन दीर्घकाल में यह राजनीति और जनविश्वास—दोनों के लिए घातक साबित हो सकती है।

शख्सियत | रिचर्ड निक्सन

अमेरिकी राष्ट्रपति साधारण से असाधारण का सफर

"हमेशा याद रखें, दूसरों को आपसे नफरत हो सकती है, लेकिन जब तक आप उनसे नफरत नहीं करते, वे जीतते नहीं; और जब आप नफरत करते हैं, तो आप स्वयं को नष्ट कर देते हैं।"

निक्सन का बचपन बेहद साधारण था। उनके पिता एक छोटे व्यापारी थे और परिवार आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था। बचपन से ही उन्होंने मेहनत, अनुशासन और संघर्षशील मानसिकता अपनाई। उन्होंने व्हिटियर कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और बाद में ड्यूक विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल की। इसके बाद उनकी राजनीतिक यात्रा शुरू हुई।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान निक्सन ने अमेरिकी नौसेना में सेवा की, जिसने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के प्रति जागरूक बनाया। युद्ध के बाद उन्होंने कैलिफोर्निया से कांग्रेस में चुनाव लड़ा और जल्दी ही अमेरिकी राजनीति में अपनी पहचान बनाई। 1952 में ड्वाइट डी. आइजनहावर के साथ उपराष्ट्रपति बने, और इस दौरान उन्होंने विदेशी नीति और कम्युनिज्म विरोध पर ध्यान केंद्रित किया।

1960 में राष्ट्रपति चुनाव हारने के बावजूद निक्सन ने 1968 में पुनः चुनाव लड़ा और विजयी हुए। राष्ट्रपति बनने के बाद निक्सन ने वैश्विक कूटनीति में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। सबसे प्रमुख था चीन के साथ शीत युद्ध के समय कूटनीतिक संबंध स्थापित करना, जो अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय नीति में क्रांतिकारी बदलाव था।

भारत के संबंध में भी निक्सन का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने भारत को वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा। उनके प्रशासन के दौरान अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयास हुए। 1969 में, जब अमेरिका और भारत के बीच कूटनीतिक और आर्थिक सहयोग में वृद्धि की जरूरत थी, निक्सन ने विशेष रूप से भारत के विकास और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में अमेरिकी सहायता बढ़ाने के कदम उठाए। हालांकि, पाकिस्तान के साथ अमेरिकी संबंधों के कारण यह सहयोग सीमित था, फिर भी निक्सन ने भारत के प्रति संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की कोशिश की। निक्सन का राष्ट्रपति पद विवादों से भी भरा रहा। वाटरगेट कांड ने उनके करियर को गहरा नुकसान पहुंचाया। इसमें उनके सहयोगियों द्वारा राजनीतिक विरोधियों पर अवैध जासूसी करने का आरोप लगा। इस विवाद ने अमेरिका में विश्वास की कमी पैदा की और अंततः 1974 में निक्सन को राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना पड़ा। वे अब तक के एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्होंने इस्तीफा दिया।

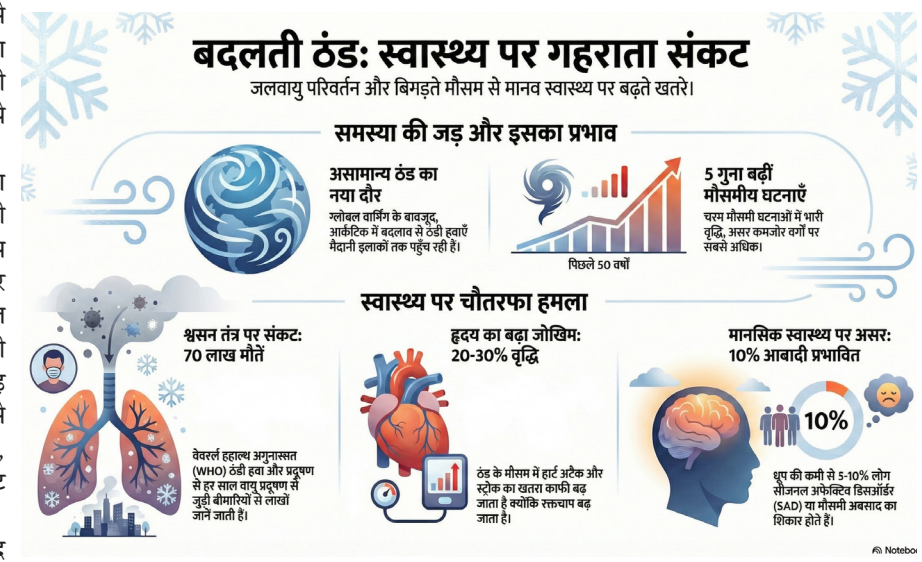

उनका जीवन न केवल राजनीतिक सफलता और विफलताओं का उदाहरण है, बल्कि यह वैश्विक दृष्टिकोण और भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ संबंध बनाने की महत्ता को भी दिखाता है। निक्सन ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दूरदर्शिता दिखाई और भारत जैसे देशों के महत्व को समझा। उनका प्रशासन अंतरराष्ट्रीय संबंध, सामाजिक सुधार और आर्थिक नीतियों के लिए याद किया जाता है।

रिचर्ड निक्सन का निधन 22 अप्रैल 1994 को कैलिफोर्निया में हुआ। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सत्ता, कूटनीति और नीति निर्माण में बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता महत्वपूर्ण होती हैं। साथ ही, यह भी कि किसी भी निर्णय का प्रभाव केवल राष्ट्रीय स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी पड़ सकता है। निक्सन का भारत के साथ संबंध इस बात का उदाहरण है कि राजनीति केवल शक्ति नहीं, बल्कि रणनीति और समझदारी भी होती है।

बदलती ठंड, बिगड़ता स्वास्थ्य

डॉ. बबलू सोनकर
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा
प्रयागराज

पर्यावरणीय परिवर्तन अब केवल भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान की कठोर सच्चाई बन चुका है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, वनों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण ने मौसम के स्वाभाविक संतुलन को बिगाड़ दिया है। इसका सबसे स्पष्ट प्रभाव सर्दी के मौसम में दिखाई दे रहा है। असामान्य ठंड, अचानक तापमान में गिरावट, कोल्ड वेव और घना कोहरा अब अपवाद नहीं, बल्कि नई सामान्य स्थिति बनती जा रही है। इसका सीधा और गहरा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग के विरोधाभास के रूप में भले ही औसत वैश्विक तापमान बढ़ रहा हो, लेकिन विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार आर्कटिक क्षेत्र में तेजी से हो रहे तापीय बदलावों के कारण ठंडी हवाएँ अधिक तीव्रता से मैदानी इलाकों तक पहुँच रही हैं। यही कारण है कि दुनिया के कई हिस्सों में रिकॉर्ड स्तर की ठंड देखी जा रही है। यह बदलता मौसम सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी है।

ठंड का सबसे गंभीर प्रभाव श्वसन तंत्र पर पड़ता है। ठंडी हवा और प्रदूषण के मेल से सांस संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष दुनिया में करीब 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है, और सर्दी के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। दमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसे रोग अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि बच्चों और युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहे हैं।

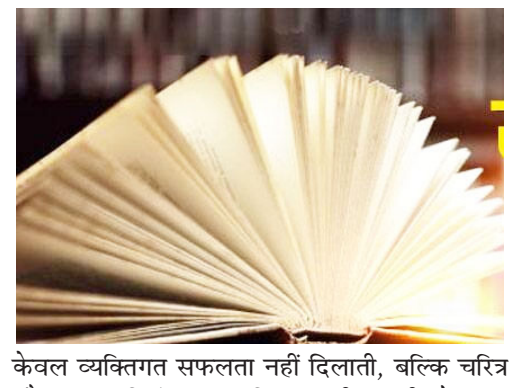

हृदय स्वास्थ्य के लिहाज से भी बढ़ती ठंड बेहद चिंताजनक है। तापमान गिरते ही शरीर की रक्त वाहिकाएँ संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। अचानक पड़ने वाली ठंड इस जोखिम को और अधिक गंभीर बना देती है।

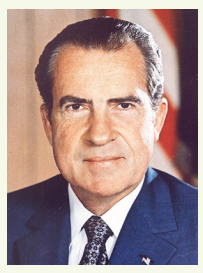

ठंड का असर केवल शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रही है। सीमित गतिविधियाँ, धूप की कमी और सामाजिक दूरी तनाव व अवसाद को बढ़ावा देती है। वैश्विक स्तर पर 5 से 10 प्रतिशत आबादी सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर

(SAD) से प्रभावित पाई गई है, और जलवायु परिवर्तन के चलते यह समस्या अब नए क्षेत्रों में भी उभर रही है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक मार समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रही है। गरीब, बेघर, वृद्ध और बच्चे अपर्याप्त आवास, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण ठंड के दुष्प्रभावों को सबसे पहले झेलते हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में अत्यधिक मौसमीय घटनाएँ पाँच गुना तक बढ़ी हैं, जिनका भार सबसे ज्यादा इन्हीं वर्गों पर पड़ा है।

स्पष्ट है कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत सावधानी से हल नहीं होगी। गर्म कपड़े पहनना और सतर्क रहना जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु नीति पर गंभीरता से अमल। बदलती ठंड हमें चेतावनी दे रही है कि यदि अब भी हमने प्रकृति के साथ संतुलन नहीं बनाया, तो स्वास्थ्य संकट और गहराता जाएगा। आज आवश्यकता है कि सरकार, समाज और नागरिक—तीनों स्तरों पर ठोस कदम उठाए जाएँ। क्योंकि यह ठंड केवल मौसम की नहीं, बल्कि हमारी पर्यावरणीय लापरवाही की ठंडक है, जिसका असर आने वाली पीढ़ियों तक महसूस किया जाएगा।

जीवन मंत्र

मेहनत: सफलता की कुंजी

मेहनत केवल शारीरिक श्रम नहीं है, बल्कि यह हमारे समय, ऊर्जा और मनोबल का सतत प्रयास है। महान इतिहासिक और आधुनिक उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि सफल व्यक्ति हमेशा कठिन परिश्रम से अपने लक्ष्य तक पहुँचते हैं।

जीवन में सफलता और आत्मविश्वास पाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मेहनत है। कोई भी व्यक्ति चाहे कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, यदि वह कठिन परिश्रम नहीं करता, तो उसके प्रयास का वास्तविक फल नहीं मिलता। मेहनत केवल शारीरिक श्रम नहीं है, बल्कि यह हमारे समय, ऊर्जा और मनोबल का सतत प्रयास है। महान इतिहासिक और आधुनिक उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि सफल व्यक्ति हमेशा कठिन परिश्रम से अपने लक्ष्य तक पहुँचते हैं। महात्मा गांधी, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, एलीसॉन, टेस्ला या अन्य किसी क्षेत्र के महान लोग—सभी ने अपने क्षेत्र में कड़ी मेहनत की। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि संघर्ष और लगातार प्रयास ही सफलता की नींव है। मेहनत

केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं दिलाती, बल्कि चरित्र और आत्म-नियंत्रण का विकास भी करती है। जब हम कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत करते हैं, तो धैर्य, सहनशीलता और आत्मविश्वास बढ़ता है। यह गुण न केवल करियर में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं।

कभी-कभी लोग कठिनाई और असफलता देखकर निराश हो जाते हैं, लेकिन यही समय है जब मेहनत सबसे अधिक जरूरी होती है। हर असफलता में सीख छिपी होती है, और मेहनत उस सीख को सफलता में बदलने का माध्यम है। यही कारण है कि "कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं।"

अतः सफलता की राह पर चलने के लिए हर व्यक्ति को मेहनत को अपना मार्गदर्शक बनाना चाहिए। छोटे-छोटे प्रयास समय के साथ बड़ी उपलब्धियों में बदलते हैं। याद रखें, मेहनत सिर्फ लक्ष्य तक पहुँचने का साधन नहीं, बल्कि यह हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर और सार्थक बनाने का मार्ग भी है।

जीवन ऊर्जा | सिमोन द बोउवार: 9 जनवरी 1908 | जन्म

हर मानव जीवन स्वतंत्रता और सम्मान से भरा हो

सिमोन द बोउवार का जन्म 9 जनवरी 1908 को पेरिस, फ्रांस में हुआ था और उनकी मृत्यु 14 अप्रैल 1986 को पेरिस में हुई। वह एक प्रसिद्ध दार्शनिक, नारीवादी, लेखक और सामाजिक चिंतक थीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकार, लैंगिक समानता और स्वतंत्रता के मुद्दों पर गहरा प्रभाव डाला।

कोई महिला जन्म से नहीं बनती, बल्कि वह समाज और अपने अनुभवों से महिला बनती है। हर व्यक्ति अपने जीवन में उन परिस्थितियों और अनुभवों से आकार लेता है, जो उसे परिभाषित करते हैं। आज ही अपने जीवन को बदलो। भविष्य पर भरोसा मत रखो। अभी कार्य करो। जीवन की वास्तविक स्वतंत्रता तब आती है जब हम खुद अपने निर्णय लेते हैं और अपने कर्मों के लिए पूरी तरह उत्तरदायी होते हैं। स्वतंत्रता वह शक्ति है जो हमें स्वयं को पहचानने और अपने जीवन की जिम्मेदारी लेने में सक्षम बनाती है। मैं अत्यंत लालची हूँ। मैं जीवन से सब कुछ चाहती हूँ। क्योंकि जीवन में सीमाएँ केवल हमारी सोच में होती हैं। वास्तविकता में नहीं। समाज केवल उतना ही व्यक्ति की परवाह करता है, जितना वह लाभदायक होता है। इसलिए हमें अपनी पहचान और मूल्य स्वयं निर्धारित करने होंगे। जीवन का मूल्य तब है जब हम दूसरों के जीवन को भी महत्व देते हैं। मैं चाहती हूँ कि हर मानव जीवन स्वतंत्रता और सम्मान से भरा हो। मध्यम पुरुष भी महिलाओं की तुलना में खुद को श्रेष्ठ समझता है। और यही असमानता हमें बदलने और सशक्त बनने की

प्रेरणा देती है। पति को पाना कला है। उसे बनाए रखना संघर्ष। और यही जीवन में समझ, धैर्य और संतुलन की परीक्षा है। समाज हमेशा हमें सीमाओं और नियमों में डालने की कोशिश करता है। लेकिन हम वही हैं जो हम चुनते हैं। देने में ही हमें वास्तविक खुशी मिलती है। सच्चा प्रेम आपसी स्वतंत्रता की लड़ाई है। जीवन का अर्थ किताबों में नहीं। बल्कि हमारे कार्यों, अनुभवों और साहस में मिलता है। उत्पीड़न और असमानता संघर्ष और साहस की परीक्षा हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

श्रीकृष्ण और ब्राह्मण पत्नी की लीलापूर्ण कथा

एक समय की बात है, जब भगवान् श्री कृष्ण और बलराम गोकुल में गाय चराने निकले। खेल-खेल में, उन्हें अचानक भूख लग गई। उन्होंने अपने प्यारे मित्रों से कहा, "मित्रों, पास ही में कुछ ब्राह्मण यज्ञ कर रहे हैं, उनसे हमारे लिए कुछ भोजन मांगकर लाओ।" ग्वाल-बाले बड़े विनम्र भाव से ब्राह्मणों के पास गए और भिक्षा मांगने लगे।

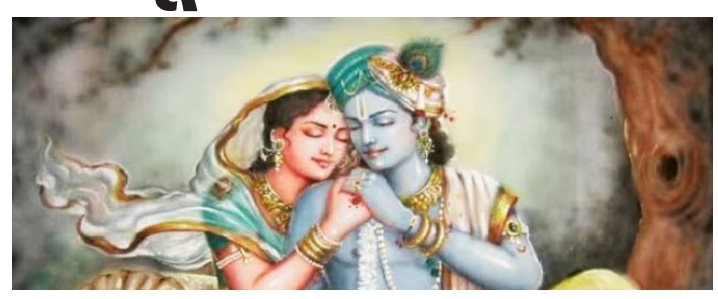

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

लेकिन यज्ञ में लगे ब्राह्मण अपनी स्वर्ग आदि लोक की कामनाओं में इतने मग्न थे कि उन्होंने यह तक ध्यान नहीं दिया कि उनके सामने वही नंदलाल कृष्ण खड़े हैं। ग्वाल-बाल खाली हाथ लौट आए। तब प्रभु ने मुस्कुराते हुए कहा, "अब तुम उनकी पत्नियों से जाकर मांगो।" ग्वाल-बाल जैसे ही ब्राह्मणपत्नी के पास गए और उनसे अन्न की याचना की, स्त्रियाँ चौंक गईं। इतने समय से उन्होंने नंदलाल की लीलाओं की कथाएँ सुनी थीं, लेकिन आज उनका दर्शन करने का अवसर आया था। उन्होंने लोक लाज और पति की आज्ञा को भूलकर हाथ में दही-भात और अन्य व्यंजन लिए श्री कृष्ण के पास चली आईं। ब्राह्मणपत्नी प्रभु के सम्मुख खड़ी हुईं। जैसे ही उन्होंने कृष्ण और बलराम की युगल छवि देखी, समय जैसे ठहर गया। उनके मुख से अनायास निकला, "प्रभु, आप कितने सुंदर हैं। आपकी पूर्ण छटा के साथ दर्शन हो रहा है।" ऐसा प्रतीत हुआ मानो उनके जन्मों की साधना सफल हो गई। भगवान् ने उन्हें प्रेमपूर्वक स्वागत किया और धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा, "धन्य हैं आप, जिन्होंने मेरी अन्न याचना स्वीकार की। अब आप दर्शन कर चुकी हैं। अपने घर लौट जाइए, आपके पति बिना आपकी उपस्थिति के भी यज्ञ पूरा कर सकते हैं।"

लेकिन ब्राह्मणपत्नी ने कहा, "प्रभु, हम तो आपके दर्शन के लिए अपने सब बंधन त्यागकर आए हैं। जो आपका एक बार हो जाता है, उसे संसार में दोबारा नहीं जाना पड़ता। हमें घर लौटने का आदेश न दीजिए।"

कृष्ण ने प्रेम से उत्तर दिया, "जो मेरा हो जाता है, उसे मैं स्वीकार कर लेता हूँ। संसार के लोग चाहकर भी उसे मेरे पास से नहीं ले जा सकते। आप घर में सुरक्षित रहें, किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं होगा।" इसके बाद, भगवान् ने पहले ग्वाल-बालों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया और फिर स्वयं भोजन किया। यज्ञपत्नी जब घर लौटीं, तो अपने पति ब्राह्मणों को पूरी कथा सुनाई। यह सुनकर ब्राह्मण अत्यंत खेद और पश्चाताप से भर गए। उन्होंने सोचा, "हाय! हमने साक्षात् भगवान् का दर्शन होते हुए भी अन्न नहीं दिया। प्रभु का हाथ हमारे सामने बढ़ा था और हमने उसे नजरअंदाज कर दिया।" वे तत्काल अपने प्रभु के चरणों में गिर पड़े और चरण-धूल चढ़ाने लगे। श्री कृष्ण ने उन्हें प्रेमपूर्वक समझाया, "आप घर में रहकर भजन कीजिए। जो लोग मेरे दर्शन की महिमा को समझ नहीं पाए, वे भी सीख लेंगे।" इस कथा से यह स्पष्ट होता है कि भगवान् की लीलाओं में भक्तों की भक्ति ही सर्वोपरि है। चाहे अन्न देना हो या भजन करना, जो भी मन से किया जाए, वह भगवान् को प्रिय होता है। यह कथा न केवल भक्ति और प्रेम का संदेश देती है, बल्कि यह भी सिखाती है कि भगवान् की महिमा को पहचानना और उनके दर्शन की लालसा रखना, जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है।

अपने विचार

संगीत सोम एक तरफ तो मीट का व्यापार कर रहे हैं, मुस्लिम मीट कारोबारियों की कंपनी में हिस्सेदारी है। दूसरी तरफ हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके जनता को गुमराह कर रहे हैं।

-अतुल प्रधान,विधायक
नेता, सपा

इस्लाम में महिलाओं के लिए पर्दा का प्रावधान है। मुस्लिम महिलाएं इस पर कायम हैं। यदि हिजाब पहनने वाली महिलाओं को खरीदारी से रोका जाता है तो वे खरीदारी नहीं करेंगी। धार्मिक मूल्यों से कोई भी समझौता नहीं कर सकता है।

-मौलाना रिजवान इस्लाही
अध्यक्ष,जमात-ए-इस्लामी

जब विपक्षी नेता ऐसे बयान देते हैं, तो बाकी तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल चुप क्यों रहते हैं?₹,हां बिल्कुल।₹ मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मुंबई का अगला मेयर निश्चित रूप से एक मराठी हिंदू ही होगा।

-देवेन्द्र फडणवीस
सीएम, महाराष्ट्र

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ED हमारे आईटी कार्यालय में हमारे उम्मीदवारों की सूची, पार्टी की रणनीति, योजनाएं और अन्य गोपनीय दस्तावेज इकट्ठा करने आई है। यह सीधे तौर पर हमारी राजनीतिक सामग्री तक पहुंचने की कोशिश है।

-ममता बनर्जी
सीएम, पश्चिम बंगाल

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

भाजपा ने प्रभाग 16 में झोंकी ताकत

वसईः वसई-विरार शहर महानगरपालिका (VVCMC) के आगामी चुनावों के लिए प्रचार अभियान अब अपने चरम पर पहुँच गया है। चुनावी मैदान में उतरे सभी दलों के उम्मीदवारों ने मतदाताओं को रिझाने के लिए दिन-रात एक कर दिया है। इसी क्रम में, प्रभाग क्रमांक 16 से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अधिकृत उम्मीदवार जयप्रकाश सिंह और निलेश चौधरी ने अपने पैनल के पक्ष में जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं की भारी मौजूदगी में घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क किया और भाजपा के विकास कार्यों के आधार पर वोट मांगे। जनसंपर्क के दौरान जयप्रकाश सिंह ने स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान और सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पार्टी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' को दोहराते हुए कहा कि भाजपा ही क्षेत्र को एक आधुनिक और सुविधायुक्त शहर बना सकती है। वहीं, निलेश चौधरी ने मतदाताओं को भरोसा दिलाया कि वे जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे और वार्ड की हर छोटी-बड़ी समस्या का प्राथमिकता से निराकरण करेंगे। प्रभाग क्रमांक 16 के इसी पैनल से चुनावी मैदान में उतरीं मीरा समीर निकम और बंटी सुनील तिवारी ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में आक्रामक जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने महिलाओं और युवाओं के बीच पहुँचकर भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और सुरक्षित व विकसित वसई-विरार के लिए कमल के फूल पर बटन दबाने की अपील की। इस दौरान भाजपा के स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था।

ईडी ने 'द ग्रीन बिलियंस' के सीईओ को किया गिरफ्तार

मुंबईः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 'द ग्रीन बिलियंस लिमिटेड' के सीईओ प्रतीक कनकिया को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। कनकिया पर 47.32 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। उन्हें विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें 9 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। यह पूरा मामला सरकारी उपक्रम बीईसीआईएल के साथ की गई धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ है। ईडी की जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) से धोखाधड़ी कर 50 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस ऋण का उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं किया गया जिसके लिए इसे लिया गया था, बल्कि इसका दुरुपयोग कर सरकारी संस्था को भारी वित्तीय नुकसान पहुँचाया गया। इस साजिश में बीईसीआईएल के कुछ पूर्व कर्मचारियों की मिलीभगत की बात भी सामने आई है। धोखाधड़ी की जड़ें साल 2018 में शुरू हुए पुणे नगर निगम के एक टेंडर से जुड़ी हैं। पीएमसी ने 'वेस्ट-टू-एनर्जी' संयंत्र स्थापित करने के लिए टेंडर निकाला था, जिसे बाद में वेरिएट पुणे वेस्ट टू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया। प्रतीक कनकिया की कंपनी द ग्रीन बिलियंस लिमिटेड ने इस एसपीवी के अधिग्रहण के लिए एक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए और बीईसीआईएल को वित्तीय भागीदार के रूप में इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का प्रस्ताव देकर जाल बुना। जांच के अनुसार, साल 2022 में भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड ने बीईसीआईएल को 80 करोड़ का ऋण दिया था, जिसमें से 50 करोड़ रुपये टीजीबीएल को ट्रांसफर किए गए। कनकिया ने अपनी निजी फर्म और जाली दस्तावेजों का उपयोग कर निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया। पुणे प्रोजेक्ट के नाम पर ली गई इस भारी भरकम राशि का एक बड़ा हिस्सा निजी गबन की भेंट चढ़ गया और जमीनी स्तर पर प्रोजेक्ट का कोई काम नहीं किया गया। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि प्रतीक कनकिया ने गबन किए गए धन का उपयोग अपनी विलासी जीवनशैली को बनाए रखने के लिए किया। इसमें महंगी लग्जरी गाड़ियों का उपयोग, मुंबई और दिल्ली के पॉश इलाकों में आलीशान आवासीय परिसरों को किराए पर लेना और उनका भारी-भरकम खर्च कर नवीनीकरण (Renovation) करना शामिल है। कनकिया ने समाज में अपनी वित्तीय समृद्धि का एक झूठा आभास पैदा करने के लिए जनता और संस्थानों के पैसे का दुरुपयोग किया।

ठाणे नगर निकाय चुनाव को लेकर एक्शन में पुलिस

3000 से अधिक हथियार जमा
सुरक्षा को लेकर ड्रोन से लोगों पर रखी जा रही पैनी नजर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को बेहद सख्त कर दिया है। चुनाव के दौरान कानून और व्यवस्था को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय ने एक व्यापक सुरक्षा योजना लागू की है। इसके तहत अब तक 3,000 से अधिक लाइसेंसी हथियार पुलिस थानों में जमा कराए जा चुके हैं और आचार संहिता का उल्लंघन रोकने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है।

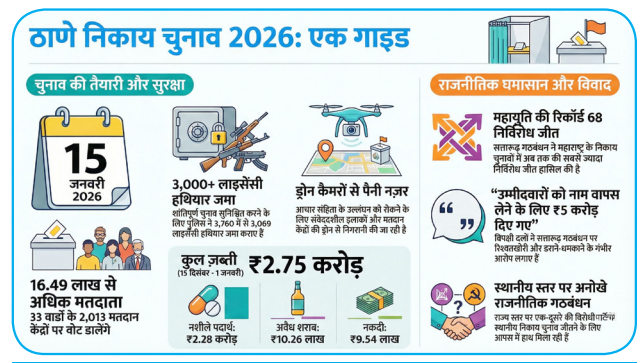

चार महानगर पालिकाओं में एक साथ चुनाव की चुनौती

ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में इस बार ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर और भिवंडी-निजामपुर जैसी चार महत्वपूर्ण महानगर पालिकाओं के चुनाव होने जा रहे हैं। इन सभी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान के दिन सुरक्षा बलों की तैनाती सामान्य से अधिक रहेगी।

ड्रोन कैमरों से आसमान से रखी जा रही है नजर

चुनाव अवधि के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आचार संहिता के उल्लंघन को पकड़ने के लिए ठाणे पुलिस पहली बार ड्रोन कैमरों का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रही है। आयुक्तालय के लगभग सभी थाना क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी शुरू कर दी गई है। विशेष रूप से मतदान के दिन संवेदनशील मतदान केंद्रों और गलियों में ड्रोन के जरिए पल-पल की रिपोर्ट ली जाएगी।

3,000 से अधिक हथियार जमा

आंकड़ों के अनुसार, ठाणे पुलिस आयुक्तालय में कुल 3,760 शस्त्र लाइसेंस जारी किए गए हैं, जिनमें राजनेताओं, बैंक सुरक्षा गार्डों और व्यक्तिगत सुरक्षा चाहने वाले लोग शामिल हैं। इनमें से अब तक 3,069 लाइसेंसी हथियार जमा किए जा चुके हैं। इसके साथ ही, पुलिस ने पिछले एक वर्ष में रिकॉर्ड पर रहे अपराधियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 307 लोगों को जिले से निष्कासित (Externed) किया गया है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस द्वारा लगातार 'रूट मार्च' निकाला जा रहा है ताकि नागरिकों में सुरक्षा का भाव बना रहे।

अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों पर बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

1 जनवरी 2025 से 7 जनवरी 2026 के बीच पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर अवैध हथियारों और तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है इस दौरान पुलिस ने 27 अवैध आग्नेयास्त्र और 37 जिंदा कारतूस जब्त किए। 142 चाकू और खंजर बरामद किए। 78 करोड़ 35 लाख रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ (नारकोटिक्स) जब्त किए। नाकाबंदी के दौरान 2 करोड़ 16 लाख रुपये की बेहिसाब संपत्ति को कब्जे में लिया। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति डरा-धमकाकर या अवैध धन और नशीले पदार्थों का लालच देकर मतदाताओं को प्रभावित न कर सके। पुलिस आयुक्त कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मशहूर अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने अंधेरी स्थित 'सिंटा' (CINTAA) कार्यालय में 'दो बजे दोपहर' अखबार पढ़ने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई कि 'दो बजे दोपहर' पत्रकारों द्वारा संचालित एक समाचार पत्र है। इसकी संतुलित और तथ्यपरक खबरों ने मुझे बहुत प्रभावित किया। मेरा मानना है कि पत्रकारिता के ऊंचे मानदंडों को बनाए रखने वाले ऐसे अखबार को अधिक से अधिक पढ़ा जाना चाहिए।" इस अवसर पर पूनम ढिल्लों ने 'दो बजे दोपहर' की पूरी टीम को नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएं दीं।

भुसावल मंडल की आपातकालीन तैयारियाँ सुदृढ़

मनमाड में अत्याधुनिक हाई स्पीड सेल्फ-प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन की प्राप्ति

भुसावल/मनमाडः रेल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मध्य रेलवे के भुसावल मंडल ने मनमाड स्टेशन पर अत्याधुनिक हाई स्पीड सेल्फ-प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन प्राप्त की है। मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में, इस आधुनिक ट्रेन को रणनीतिक रूप से मनमाड स्टेशन की 'डबल एग्जिट लाइन' पर तैनात करने की योजना बनाई गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित रेल आपात स्थिति में 'रिस्पॉन्स टाइम' (प्रतिक्रिया समय) को न्यूनतम करना और राहत कार्यों को गति देना है।

जीवन रक्षक उपकरणों से लैस 'अस्पताल ऑन व्हील्स'

यह नई रिलीफ ट्रेन केवल एक बचाव वाहन नहीं, बल्कि पटरी पर दौड़ता एक अत्याधुनिक चिकित्सा केंद्र है। इसमें पूरी तरह सुसज्जित ऑपरेशन थिएटर (OT), हाइड्रोलिक रेस्क्यू डिवाइसेस (HRD), और उच्च तीव्रता वाली प्रकाश व्यवस्था मौजूद है। इसके अतिरिक्त, धातु को तेजी से काटने के लिए प्लाज्मा और एक्सोथर्मिक कटिंग टूल्स जैसे उन्नत उपकरण भी शामिल किए गए हैं। इन सुविधाओं की मदद से दुर्घटना स्थल पर तत्काल चिकित्सा सहायता और फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित निकालने का कार्य अधिक सटीकता से किया जा सकेगा। मनमाड स्टेशन को इस ट्रेन के होम स्टेशन के रूप में चुनना एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। मनमाड एक प्रमुख जंक्शन है जहाँ से कई महत्वपूर्ण रेल खंड जुड़ते हैं। यहाँ इसकी तैनाती से भुसावल मंडल के किसी भी हिस्से में दुर्घटना या अवरोध होने पर यह ट्रेन शीघ्रता से पहुँच सकेगी।

सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 के लिए विशेष सुरक्षा कवच

इस ट्रेन की प्राप्ति का समय बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ष 2027 में नासिक और त्र्यंबकेश्वर में सिंहस्थ कुंभ मेला (14 जुलाई से 25 सितंबर 2027) आयोजित होने वाला है। इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं के रेल मार्ग से आवागमन की संभावना है। भारी भीड़ के प्रबंधन और किसी भी अप्रत्याशित घटना से निपटने के लिए HS-SPART एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करेगी। यह सुनिश्चित करेगी कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो और आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध हो।

70वां रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह

अधिकारियों को सम्मानित करेंगे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

डीबीडी संवाददाता | नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 09 जनवरी को नई दिल्ली के द्वारका स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि) में आयोजित 70वें रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस भव्य समारोह के दौरान, रेल मंत्री भारतीय रेल के प्रतिभाशाली कर्मचारियों और अधिकारियों को उनके असाधारण योगदान के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (AVRSP) 2025 प्रदान करेंगे। यह पुरस्कार रेल सेवा में उत्कृष्टता, नवाचार और समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

100 रेल कर्मियों को रजत पदक और जोनल रेलवे को मिलेगी शील्ड

इस गौरवशाली अवसर पर रेल मंत्री द्वारा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए देश भर से चयनित 100 रेल कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को रजत पदक और प्रशस्ति पत्र देकर उनके मनोबल को बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन करने वाले जोनल रेलवे को भी विशेष शील्ड प्रदान की जाएगी, जो रेल परिचालन में प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता को बढ़ावा देने का एक माध्यम है। इस वर्ष के पुरस्कारों में मध्य रेल (Central Railway) ने अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। मध्य रेल के पाँच अधिकारियों को उनकी बेदाग सेवाओं और रेल प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन अधिकारियों ने परिचालन दक्षता, वित्तीय बचत, तकनीकी नवाचार और यात्री सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किया है, जिससे मध्य रेल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

कुशल प्रबंधन और तकनीकी नवाचार के लिए सम्मान

पुरस्कार विजेताओं में मुंबई मुख्यालय के मनीष कुमार (उप मुख्य सामग्री प्रबंधक) शामिल हैं, जिन्होंने 300 करोड़ की मदों की कुशल खरीद और 2.80 करोड़ की बचत सुनिश्चित की। वहीं, भुसावल मंडल के हिमांशु रामदेव (वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर) को उनके द्वारा विकसित 'OHMS' और यार्ड सिग्नल लेआउट ऐप के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिसकी मदद से ट्रेनों की देरी में 59% की कमी दर्ज की गई है।

सजगता से टाला गया बड़ा रेल हादसा

सुरक्षा की श्रेणी में नागपुर मंडल के ट्रैक मैंटेनर प्रद्युमन कुमार को उनकी वीरता और सजगता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने नागरी-चिकनी खंड में पेट्रोलिंग के दौरान रेल वेल्ड फ्रैक्चर की समय रहते पहचान की और त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बड़ी संभावित रेल दुर्घटना को टाल दिया। उनका यह समर्पण भारतीय रेल की 'सुरक्षा प्रथम' की नीति का जीवंत उदाहरण है।

राजस्व वृद्धि और टिकट चेकिंग में विशेष योगदान

सतर्कता और राजस्व संरक्षण के क्षेत्र में मुंबई मुख्यालय के संजय कुमार बेहरा (मुख्य जांच निरीक्षक) को 47.11 करोड़ की वसूली के प्रस्ताव और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। इसी क्रम में, टिकट चेकिंग स्टाफ हनुमंत अरुण वाघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अकेले ही 84.60 लाख का जुर्माना वसूल कर बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए रजत पदक प्रदान किया जाएगा।

रैली और पेंटिंग के जरिए मतदान का संदेश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मनपा के आगामी आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए स्वीप पहल के तहत शहर के विभिन्न प्रभाग समितियों में व्यापक मतदान जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में लोकमान्य सावरकर प्रभाग समिति के अंतर्गत यशोधन इंग्लिश स्कूल की ओर से चैती नगर डिवीजन में एक भव्य मतदान जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली शास्त्री नगर चौक से स्कूल परिसर तक आयोजित की गई, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने नारों के माध्यम से नागरिकों को मतदान का महत्व समझाया। वहीं वागले प्रभाग समिति के तहत वार्ड नंबर 16, 17 और 18 के शांतिनगर, श्रीनगर, रामनगर, डिसोजावाड़ी और शिवाजीनगर स्थित स्कूलों में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित कर मतदान को लेकर जागरूकता फैलाई गई। स्वीप टीम ने हेल्थ सेंटर्स का भी दौरा कर नागरिकों को मतदान के प्रति प्रेरित किया।

स्ट्रीट ड्रामा प्रस्तुत कर किया जागरुक

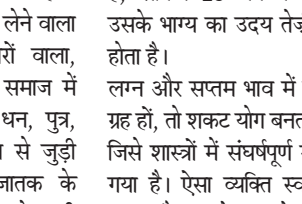

उथलसर प्रभाग समिति में चुनाव निर्णय अधिकारी उर्मिला पाटिल के मार्गदर्शन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत ठाणे मनपा की विशेष स्ट्रीट ड्रामा टीम ने रायगढ़ गली, गोकुलनगर, कोलबाड़, चंदनवाड़ी और स्कूल नंबर 7 के प्रमुख चौराहों पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए, जिनके जरिए लोकतंत्र में मतदान की अहमियत और नागरिकों की जिम्मेदारी का सशक्त संदेश दिया गया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

वृष यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी।

मिथुन जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

कर्क कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

सिंह पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

धनु शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मकर धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा।

कुंभ पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीर्वाद मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें।

मीन घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की चिंता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंडली के विशेष योग और जीवन की दिशा तय करने वाली ग्रह-रचनाएं

कुंडली में बनने वाले विशेष योग भारतीय ज्योतिष की उस गूढ़ परंपरा का हिस्सा हैं, जिनके माध्यम से व्यक्ति के जीवन, स्वभाव, उपलब्धियों और संघर्षों का गहन अध्ययन किया जाता है। जन्म के समय ग्रह किस राशि और किस भाव में स्थित हैं, यह केवल संयोग नहीं माना जाता, बल्कि इन्हीं संयोगों से विशिष्ट योगों का निर्माण होता है। ये योग व्यक्ति के जीवन की दिशा तय करते हैं—कोई उसे सत्ता और सम्मान तक पहुंचाता है, तो कोई संघर्ष, भ्रम और अस्थिरता का कारण बनता है। शास्त्रों में वर्णित ये योग केवल भविष्यवाणी नहीं करते, बल्कि मनुष्य के कर्म, प्रवृत्ति और संभावनाओं का भी संकेत देते हैं।

जब कुंडली में सभी ग्रह चर राशियों में स्थित हों, तो रज्जू योग बनता है। ऐसा व्यक्ति स्वभाव से भ्रमणशील होता है, उसे यात्रा और स्थान परिवर्तन में विशेष रुचि रहती है। परदेश जाना उसके लिए उन्नति का द्वार खोलता है। ऐसा जातक

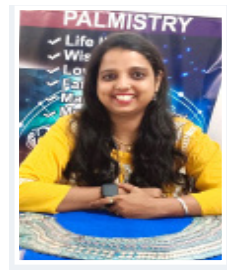

प्रियंका जैन
9769994439

देखने में आकर्षक होता है, पर स्वभाव में कभी-कभी क्रूरता और चालाकी भी दिखाई देती है। इसके विपरीत, जब सभी ग्रह स्थिर राशियों में हों, तो मुसल योग का निर्माण होता है। इस योग में जन्म लेने वाला व्यक्ति स्थिर विचारों वाला, आत्मविश्वासी और समाज में प्रतिष्ठित होता है। धन, पुत्र, सम्मान और शासन से जुड़ी जिम्मेदारियां ऐसे जातक के जीवन में सहज रूप से आती हैं। राजनीति और प्रशासन में ऐसे लोगों की गिनती प्रभावशाली वर्ग में होती है।

जब बुध, गुरु और शुक्र जैसे शुभ ग्रह केंद्र स्थानों में हों और अन्य ग्रह अलग-अलग स्थानों में फैले हों, तो माला योग बनता है। यह योग व्यक्ति को ऐश्वर्य, स्वादिष्ट भोजन, सामाजिक लोकप्रियता और राजनीति में सफलता देता है। ऐसा व्यक्ति जनप्रतिनिधि बनने की क्षमता रखता है और पंचायत से लेकर बड़े चुनावों तक में जीत हासिल कर सकता है। इसी तरह जब सभी ग्रह दो समीपस्थ केंद्रों में सिमट जाएं, तो गदा योग बनता है। यह योग धर्म, शास्त्र, संगीत और प्रशासन से जुड़ा माना गया है। इस योग वाले जातक का जीवन प्रारंभ में सामान्य रहता है, लेकिन 28 वर्ष के बाद उसके भाग्य का उदय तेज़ी से होता है।

लग्न और सप्तम भाव में सभी ग्रह हों, तो शकट योग बनता है, जिसे शास्त्रों में संघर्षपूर्ण माना गया है। ऐसा व्यक्ति स्वार्थी, चतुर और अपने लाभ के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। स्वास्थ्य और स्थिरता के मामले में उसे अक्सर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं, जब चतुर्थ और दशम भाव में ग्रहों का जमाव हो, तो पक्षी योग बनता है। ऐसा व्यक्ति लगातार गतिशील रहता है, यात्राएं करता है और कई बार गुप्त या संवेदनशील जिम्मेदारियां निभाता है। यदि इसमें शुभ ग्रहों का प्रभाव अधिक हो, तो व्यक्ति न्याय और प्रशासन के उच्च पदों तक पहुंच सकता है। जब सभी ग्रह लग्न, पंचम और नवम भाव में स्थित हों, तो श्रृंगाटक योग बनता है। यह योग साहस, युद्धक प्रवृत्ति और कर्मठता का प्रतीक है। ऐसे जातक सेना, पुलिस या राजकीय सेवाओं में वीरता दिखाते हैं और 23 वर्ष की आयु के बाद उनके जीवन में तेज़ उन्नति शुरू हो जाती है। इसी तरह वज्र योग, कमल योग और चक्र योग जैसे योग अत्यंत प्रभावशाली माने गए हैं। कमल योग विशेष रूप से दुर्लभ और शक्तिशाली माना जाता है, जिसमें जन्म लेने वाला व्यक्ति मंत्री, राज्यपाल या उच्च शासनाधिकारी बनता है और समाज पर उसका गहरा प्रभाव होता है।

न्यूज़ ब्रीफ

कहर ढा रही ठंड, पारा सात डिग्री सेल्सियस

जौनपुर। जौनपुर जिले में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। तापमान में लगातार गिरावट के चलते न्यूनतम पारा 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि दृश्यता बेहद कम रहने से सड़क और रेल यातायात पर भी असर पड़ा। शीतलहर की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यालयों और मदरसों में 8 और 9 जनवरी को अवकाश घोषित कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड से राहत मिलने के आसार फिलहाल कम हैं। आसमान में बादल छाए रहने और तापमान में और गिरावट की संभावना जताई गई है। घने कोहरे के कारण रात के समय बसों और ट्रेनों के संचालन में बाधा आई, वहीं दिन में भी सड़कों पर वाहनों की रफ्तार सुस्त रही। ठंड का असर खेती-किसानी पर भी दिखने लगा है। विशेषज्ञों ने विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि इस मौसम में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

काशी पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, नवाया शीश

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने काशी प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद मंदिर के गेट नंबर चार पर पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में पंकज चौधरी ने कहा, "यह मेरा सौभाग्य है कि बाबा विश्वनाथ ने बुलाया और मुझे उनके चरणों में शीश नवाने का अवसर मिला।" इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इससे पूर्व सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू विकसित भारत–रोज़गार एवं आजीविका गारंटी मिशन–ग्रामीण (विकसित भारत—जी राम जी) पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कदम बताया। पंकज चौधरी ने कहा कि यह अधिनियम पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रावधानों के साथ लाया गया है और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित होगा।

घने कोहरे से थम गई काशी की रफ्तार

वाराणसी। गुरुवार को वाराणसी समेत पूर्वांचल के कई जिलों में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को प्रभावित किया। सुबह करीब दस बजे तक दृश्यता 50 मीटर के आसपास रही, जिससे सड़कों पर वाहनों की गति धीमी पड़ गई और लोग लाइट जलाकर चलने को मजबूर रहे। आवश्यक कार्यों से ही लोग घरों से निकले, जबकि बाजारों में रौनक देर से दिखाई दी। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण ठंडी हवा का असर बना हुआ है। अगले दो दिनों तक घना कोहरा और गलन बने रहने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद ठंड फिर तेज होने के संकेत हैं। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं।

बलिया में चुनौती खड़ी कर रहा HIV संक्रमण, 3126 संक्रमित

एजेंसी । बलिया

बलिया जिले में एचआईवी संक्रमण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार जनपद में एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3126 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के लिए चिंता का विषय यह है कि हर वर्ष औसतन सैकड़ों नए मरीज इस सूची में जुड़ रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक जिले में एचआईवी संक्रमण के मामलों में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। विभिन्न कारणों में असुरक्षित यौन संबंध, बिना जांच के रक्त चढ़ाना और एक ही सिरिंज का बार-बार उपयोग प्रमुख माने जा रहे हैं। विभागीय स्तर पर यह भी माना जा रहा है कि ट्रांसजेंडर समुदाय में जागरूकता की कमी संक्रमण फैलने का एक अहम कारण बन रही है।

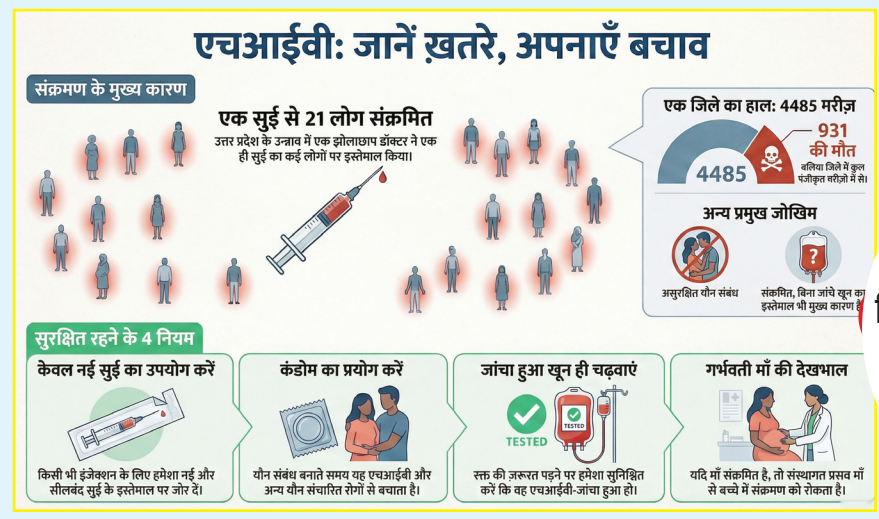

महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों की संख्या अधिक

प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि वर्तमान में जिले में इलाजरत एचआईवी मरीजों में 1601 पुरुष और 1323 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 113 बालक, 64 बालिकाएं तथा 22 ट्रांसजेंडर मरीज भी एचआईवी संक्रमित पाए गए हैं। सभी पंजीकृत मरीजों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियमित उपचार और परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिना जांच के रक्त चढ़ाना और एक ही सिरिंज का प्रयोग भी कारण

ट्रांसजेंडर्स में जागरूकता की कमी संक्रमण फैलने का एक अहम कारण

तुरंत नहीं हो पाती संक्रमण की पहचान

स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि एचआईवी संक्रमण की पहचान तुरंत नहीं हो पाती। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के लगभग तीन महीने बाद ही जांच में संक्रमण की पुष्टि संभव होती है, जबकि इसके स्पष्ट लक्षण कई बार वर्षों बाद सामने आते हैं। यही कारण है कि समय पर जांच और सतर्कता बेहद जरूरी मानी जा रही है।

सावधानी ही सबसे प्रभावी उपाय : एसीएमओ

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि एचआईवी से बचाव के लिए जागरूकता और सावधानी ही सबसे प्रभावी उपाय हैं। विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न वर्गों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे जांच, परामर्श और उपचार को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें, ताकि संक्रमण की बढ़ती रफ्तार पर अंकुश लगाया जा सके।

नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में UP का शानदार प्रदर्शन

72वीं सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप : दोनों वर्गों की टीमों का प्ले-ऑफ में प्रवेश

एजेंसी । वाराणसी

72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में मेज़बान उत्तर प्रदेश की टीमों ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के अगले चरण में जगह बना ली है। सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए प्ले-ऑफ मुकाबलों में महिला और पुरुष—दोनों वर्गों में यूपी ने जीत दर्ज कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

महिला वर्ग में संघर्षपूर्ण जीत

महिला वर्ग के प्ले-ऑफ मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने गुजरात को कड़े संघर्ष में पराजित किया। करीब दो घंटे से अधिक चले मुकाबले में यूपी की खिलाड़ियों ने संयम और सामूहिक खेल का परिचय दिया। शुरुआती बढ़त के बाद गुजरात ने मध्य सेटों में दबाव बनाया, लेकिन निर्णायक क्षणों में यूपी की रणनीति सफल रही। सेटर आर्या की सटीक सेटिंग और काजल व प्रियंका के आक्रामक स्मैश ने टीम को जीत दिलाई। डिफेंस में जान्सी के शानदार कलेक्शन और मीना-नीलू की प्रभावी ब्लॉकिंग ने विपक्षी हमलों को विफल किया।

पुरुष वर्ग में उत्तराखंड पर दबदबा

पुरुष वर्ग के प्ले-ऑफ मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने अपने पड़ोसी राज्य उत्तराखंड को शिकस्त दी। शुरुआती सेट में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन इसके बाद यूपी के खिलाड़ियों ने खेल पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। रजनीश सिंह और शहीद आलम के शक्तिशाली अटैक तथा सूर्यांश के ऑलराउंड प्रदर्शन के सामने उत्तराखंड की टीम दबाव में आ गई और मैच गंवा बैठी। महिला टीम की इस जीत से उत्साहित वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी ने खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महिला वर्ग में तमिलनाडु ने एकतरफा मुकाबले में तेलंगाना को पराजित किया, जबकि पुरुष वर्ग में केरल ने छत्तीसगढ़ को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के दौरान जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

यमदूत बने ट्रक ने ली मजदूर पिता-पुत्रों की जान

एजेंसी । बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। कोतवाली बहेड़ी क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पिता और उसके दो पुत्रों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मजदूरी के लिए घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में ही काल का शिकार हो गए।

घने कोहरे के कारण हुआ हादसा

परिजनों के मुताबिक पप्पू मेहनत-मजदूरी कर अपने छह बच्चों का पालन-पोषण करता था। एक साथ पिता और दो बेटों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी शीला सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे दृश्यता कम थी और हादसा हो गया। इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर फरार चालक की तलाश की जा रही है।

ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर

पुलिस के अनुसार देवरनियां थाना क्षेत्र के गांव इटौआ निवासी 55 वर्षीय पप्पू अपने 20 वर्षीय बेटे विवेक कुमार और 15 वर्षीय बेटे विशाल कुमार के साथ सुबह करीब आठ बजे बाइक से किच्छा जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गुड़वारा गांव के पास पहुंची, पीछे से आ रहे एक ट्रक ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों की पहचान के आधार पर परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया।

फाटक से टकराई ट्रैक्टर-ट्राली, तीन घंटे रुकी रहीं गाड़ियां

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तुलसीपुर रेलवे स्टेशन के पास हरैया तिराहे पर गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर–ट्रॉली अनियंत्रित होकर बंद रेलवे फाटक से टकरा गई। हादसे में इलेक्ट्रॉनिक रेलवे फाटक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ओवरहेड हाईटेंशन विद्युत लाइन टूटने से रेल संचालन पूरी तरह बाधित हो गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई ट्रेन फाटक से नहीं गुजर रही थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना के तुरंत बाद तुलसीपुर रेलखंड पर एहतियातन ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया। लखनऊ से तुलसीपुर आ रही गोमती एक्सप्रेस को कौवापुर स्टेशन पर रोकना पड़ा, वहीं गोरखपुर से गोंडा जाने वाली डेमो पैसेंजर ट्रेन तुलसीपुर स्टेशन पर खड़ी रही। सुबह करीब 10 बजे से दोनों ट्रेनें जहां थीं, वहीं खड़ी रहने से यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। ट्रेनों के ठहराव से यात्रियों में असंतोष और बेचैनी का माहौल बन गया। कई यात्रियों को ठंड और अनिश्चितता के बीच घंटों परेशान होना पड़ा। रेलवे कर्मियों ने यात्रियों को स्थिति से अवगत कराते हुए धैर्य बनाए रखने की अपील की। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ओवरहेड लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण विद्युत आपूर्ति बंद करनी पड़ी, जिससे ट्रेन संचालन संभव नहीं रहा। सूचना मिलते ही रेलवे के तकनीकी कर्मचारी और विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया।

दुद्धी के सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से विधायक विजय सिंह गोंड का निधन हो गया। उनके निधन से पूरे सोनभद्र जनपद में शोक का माहौल है। निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक और सामाजिक हलकों में गहरी संवेदना व्यक्त की जा रही है। दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के सपा अध्यक्ष अवध नारायण यादव ने विधायक के निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि विजय सिंह गोंड लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। 71 वर्षीय श्री गोंड की दोनों किडनियां निष्क्रिय हो चुकी थीं।

व्यापार जगत

कारोबार के चौथे दिन 7.83 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

सेंसेक्स-निफ्टी में तेज फिसलन, दोनों सूचकांक एक प्रतिशत तक टूटे

780 अंकों की गिरावट के साथ 84180 पर बंद हुआ बीएसई सेंसेक्स

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच गुरुवार को भी निवेशकों को राहत नहीं मिली। लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बाजार कमजोरी के साथ बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में सीमित खरीदारी जरूर देखने को मिली, लेकिन यह तेजी टिक नहीं सकी और दिन चढ़ने के साथ बिकवाली का दबाव गहराता चला गया। नतीजतन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक करीब एक प्रतिशत तक टूट गए। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 780 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 84,180 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी करीब 264 अंक फिसलकर 25,876 पर आ गया। बाजार में गिरावट का असर व्यापक रहा और अधिकांश सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। मेटल, ऑयल एंड गैस, आईटी और कैपिटल गुड्स शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला। इसके अलावा बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी और हेल्थकेयर सेक्टर भी कमजोरी से नहीं बच सके। हालांकि रियल्टी सेक्टर में सीमित खरीदारी देखी गई।

वैश्विक घटनाक्रम पर निर्भर रहेगा बाजार

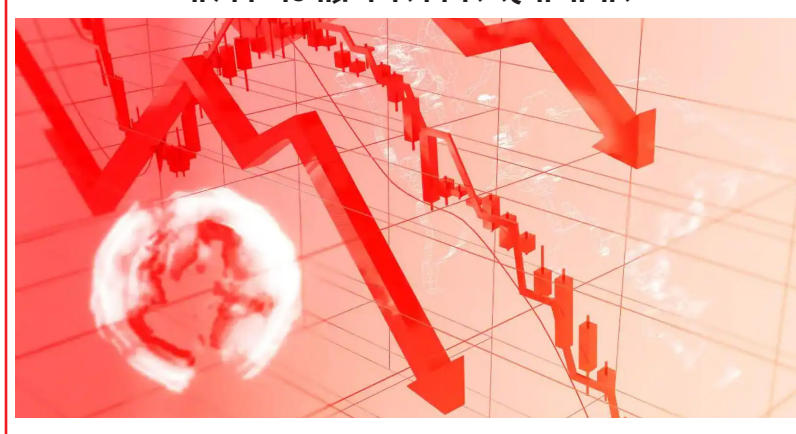

बाजार जानकारों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली, वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेत, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिका से जुड़े व्यापारिक व राजनीतिक बयानों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। विशेषज्ञों का मानना है कि निकट भविष्य में वैश्विक घटनाक्रम और विदेशी निवेशकों की चाल पर ही बाजार की दिशा निर्भर करेगी।

अधिक रही गिरावट वाले शेयरों की संख्या

दिनभर के कारोबार में बाजार की चौड़ाई बेहद कमजोर रही। बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर गिरावट वाले शेयरों की संख्या बढ़त वाले शेयरों से कहीं अधिक रही। सेंसेक्स और निफ्टी के अधिकांश घटक लाल निशान में बंद हुए, जिससे बाजार पर मंदड़ियों की पकड़ साफ नजर आई।

बीएसई की कंपनियों का मार्केट कैप घटा

ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली हावी रही। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक लगभग दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे साफ संकेत मिला कि छोटे और मझोले शेयरों में निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है। गिरते बाजार का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा और एक ही दिन में करीब 7.83 लाख करोड़ रुपये का बाजार मूल्य स्वाहा हो गया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर 472 लाख करोड़ रुपये के आसपास रह गया।

अमागी मीडिया का आईपीओ लॉंच, प्राइस बैंड घोषित

13 जनवरी से 16 जनवरी के बीच किया जा सकेगा आवेदन

19 जनवरी को एलाट और 20 को एकाउंट में हो जाएंगे क्रेडिट

नई दिल्ली। मीडिया सेक्टर की प्रमुख कंपनी अमागी मीडिया लैब्स अपने पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए तैयार हो गई है। कंपनी ने इस आईपीओ का प्राइस बैंड 343 से 361 रुपये प्रति शेयर तय किया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का होगा। कुल इश्यू का साइज 1,788.62 करोड़ रुपये रखा गया है। निवेशक इस आईपीओ के लिए 13 जनवरी से 16 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा और 20 जनवरी को शेयर निवेशकों के डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। बीएसई और एनएसई पर शेयर 21 जनवरी से लिस्ट होने की संभावना है। आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 41 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए निवेश राशि 14,801 रुपये होगी। अधिकतम 13 लॉट के लिए निवेश 1,92,413 रुपये तक हो सकता है। कुल 4,95,46,221 शेयर जारी किए जा रहे हैं, जिनमें से 2,26,03,878 नए शेयर और 2,69,42,343 शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) के लिए 75 प्रतिशत, रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए 15 प्रतिशत शेयर रिजर्व हैं। कोटक महिंद्रा कैपिटल बुक रनिंग लीड मैनेजर और एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार होंगे।

बिना कर्ज के फायदे में है अमागी मीडिया

वित्तीय स्थिति की बात करें तो कंपनी ने हाल के वर्षों में घाटे में लगातार कमी और राजस्व में वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध घाटा 321.27 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में घट कर 245 करोड़ और 2024-25 में 68.71 करोड़ रुपये पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2025) में कंपनी ने 6.47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। इसी दौरान कंपनी का राजस्व 2022-23 में 724.72 करोड़, 2023-24 में 942.24 करोड़ और 2024-25 में 1,223.31 करोड़ रुपये तक बढ़ा। वर्तमान में अमागी मीडिया पूरी तरह कर्ज मुक्त है।

एयर इंडिया: जल्द भारत पहुंचेगा 'लाइन फिट' बोइंग 787-9

नई दिल्ली। टाटा समूह के नेतृत्व में एयर इंडिया के बेड़े के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को बड़ी मजबूती मिलने जा रही है। एयरलाइन को करीब आठ वर्षों के अंतराल के बाद पहला 'लाइन फिट' बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान प्राप्त हुआ है, जिसके अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचने की संभावना है। अमेरिका में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की औपचारिक जांच पूरी होने के बाद इस अत्याधुनिक विमान को भारतीय परिचालन में शामिल किया जाएगा। एयर इंडिया ने 7 जनवरी को अमेरिका के सिएटल स्थित बोइंग के एवरेट संयंत्र में इस ड्रीमलाइनर का स्वामित्व ग्रहण किया। जनवरी 2022 में निजीकरण के बाद यह एयर इंडिया का पहला 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर है। इससे पहले अक्टूबर 2017 में, जब एयरलाइन सरकारी स्वामित्व में थी, तब अंतिम बार ऐसा विमान बेड़े में शामिल किया गया था। विमानन क्षेत्र में 'लाइन फिट' का अर्थ होता है कि विमान के निर्माण के दौरान ही सभी प्रमुख सिस्टम और सुविधाएं उसमें स्थापित की जाती हैं, जिससे बाद में अलग से फिटमेंट की आवश्यकता नहीं रहती। कंपनी के अनुसार यह विमान 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर में शामिल 52वां विमान है। वहीं, एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही बोइंग 737-8 श्रेणी के 51 नैरो-बॉडी विमान मिल चुके हैं। टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने कुल 570 नए विमानों का ऑर्डर दिया था, जिसमें 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान शामिल हैं। एयरबस ऑर्डर के तहत छह ए350 विमान पहले ही सेवा में आ चुके हैं। विस्तारा के एयर इंडिया में विलय के बाद समूह के पास वर्तमान में 300 से अधिक विमान हैं, जिनमें से 185 एयर इंडिया और शेष एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में शामिल हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया के पुराने ड्रीमलाइनर विमानों को भी चरणबद्ध तरीके से नए स्वरूप में अपग्रेड कर 2026 तक दोबारा परिचालन में लाने की योजना है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में एयर इंडिया की क्षमता और प्रतिस्पर्धा दोनों को नई ऊंचाई देने वाला माना जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कोलफील्ड्स ने किया समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कोयला कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत नवा रायपुर में हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना के लिए श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए एसईसीएल की ओर से 35.04 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। कोयला मंत्रालय के अनुसार प्रस्तावित संस्थान का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े युवाओं को स्वास्थ्य क्षेत्र में कुशल बनाना है। यहां नर्सिंग असिस्टेंट, टेक्नीशियन सहित अन्य हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए पूरी तरह निःशुल्क, कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल से न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि उन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बेहतर होगी, जहां सुविधाओं की कमी लंबे समय से बनी हुई है। समझौते के तहत बनने वाले परिसर में एकेडमिक ब्लॉक, छात्रावास, स्टाफ आवास और आवश्यक सहायक ढांचा विकसित किया जाएगा। एसईसीएल के ऑपरेशनल जिलों से आने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही इन जिलों के लिए वार्षिक नामांकन में न्यूनतम 20 प्रतिशत सीटें अगले 25 वर्षों तक आरक्षित रहेंगी, जिन्हें प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया भी जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की मानव संसाधन जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी। साथ ही यह परियोजना स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने के साथ-साथ राज्य के हेल्थकेयर इकोसिस्टम को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करेगी।

जहरीले पानी की ग्राउंड रिपोर्ट

शहर-शहर जहरीला पानी

- सबसे साफ शहर से लेकर 'सिलिकॉन वैली' तक शिकार
- दूषित पानी से लोग हो रहे हैं बीमार

नई दिल्ली। भारत सरकार की जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना तेज़ी से आगे बढ़ रही है। अक्टूबर 2025 तक देश के करीब 15.72 करोड़ परिवारों तक नल से जल पहुंच चुका है, लेकिन इसी बीच दूषित पानी से जुड़ी घटनाएं इस योजना की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। दूषित पानी की समस्या केवल इंदौर के भागीरथपुरा इलाके तक सीमित नहीं है। उज्जैन, भोपाल, गांधीनगर, नोएडा, लखनऊ, काशीपुर, ऊधमसिंह नगर, सोनीपत और बंगलूरू जैसे शहरों में भी दूषित पानी से लोग बीमार हो रहे हैं। कहीं सीवेज पानी पेयजल की लाइन में मिल रहा है तो कहीं पुरानी पाइपलाइन और लीकेज बड़ी वजह बन रही है।

इंदौर की घटना ने झकझोरा देश

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से हुईं 20 मौतों ने पूरे देश को हिला दिया। यह घटना बताती है कि स्वच्छता रैंकिंग के बावजूद बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही कितनी घातक हो सकती है। मामले में राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में चार मौतों की जानकारी दी, जबकि स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में छह मौतों का जिक्र है। वहीं स्थानीय स्तर पर संख्या 20 तक बताई जा रही है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। जांच में सामने आया कि भागीरथपुरा पुलिस चौकी के पास बने सार्वजनिक शौचालय के नीचे मुख्य पेयजल पाइपलाइन में लीकेज था। नतीजतन, शौचालय का सीवेज सीधे पेयजल में मिल गया और हजारों लोग प्रभावित हुए।

भोपाल में ई-कोलाई बैक्टीरिया मिला

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नगर निगम की जांच में चार पानी के सैंपल फेल पाए गए। इनमें से तीन में खतरनाक ई-कोलाई बैक्टीरिया मिला, जिसके बाद प्रभावित इलाकों में भूगर्भ जल के उपयोग पर रोक लगाने की सलाह दी गई।

लखनऊ में गोमती में मिल रहा सीवर

देश के सबसे बड़े राज्य की राजधानी लखनऊ में गोमती नदी में सीवर और नालों का गंदा पानी सीधे मिल रहा है। जलकल के लिए यहीं से कच्चा पानी लिया जाता है, जिससे शहर की पेयजल सुरक्षा खतरे में है।

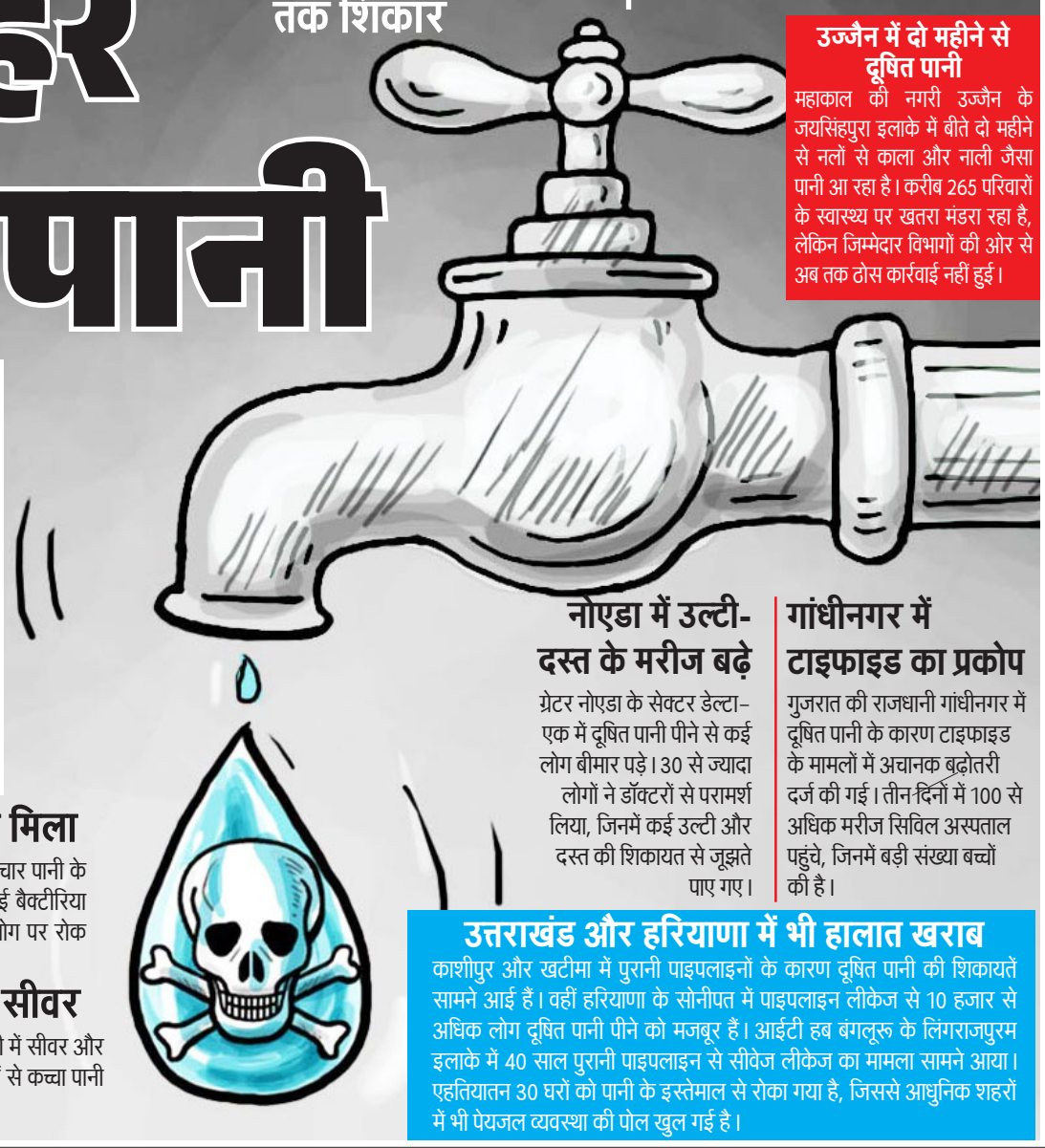

उज्जैन में दो महीने से दूषित पानी

महाकाल की नगरी उज्जैन के जयसिंहपुरा इलाके में बीते दो महीने से नलों से काला और नाली जैसा पानी आ रहा है। करीब 265 परिवारों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

नोएडा में उल्टी-दस्त के मरीज बढ़े

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा-एक में दूषित पानी पीने से कई लोग बीमार पड़े। 30 से ज्यादा लोगों ने डॉक्टरों से परामर्श लिया, जिनमें कई उल्टी और दस्त की शिकायत से जूझते पाए गए।

गांधीनगर में टाइफाइड का प्रकोप

गुजरात की राजधानी गांधीनगर में दूषित पानी के कारण टाइफाइड के मामलों में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। तीन-दिनों में 100 से अधिक मरीज सिविल अस्पताल पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या बच्चों की है।

उत्तराखंड और हरियाणा में भी हालात खराब

काशीपुर और खटीमा में पुरानी पाइपलाइनों के कारण दूषित पानी की शिकायतें सामने आई हैं। वहीं हरियाणा के सोनीपत में पाइपलाइन लीकेज से 10 हजार से अधिक लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। आईटी हब बंगलूरू के लिंगराजपुरम इलाके में 40 साल पुरानी पाइपलाइन से सीवेज लीकेज का मामला सामने आया। एहतियातन 30 घरों को पानी के इस्तेमाल से रोका गया है, जिससे आधुनिक शहरों में भी पेयजल व्यवस्था की पोल खुल गई है।

ईडी पर चोरी का आरोप

- पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म I-PAC ने पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत
- हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रही पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म I-PAC पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी से बवाल मच गया। अब ईडी के खिलाफ आई-पैक कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंची है और तुंरत छापेमारी रोकने की गुहार लगाई है। गुरुवार को ईडी ने आई-पैक के दफ्तर और उसके मुखिया प्रतीक जैन के घर पर छापा मारा, जिससे खुद ममता बनर्जी आगबबूला हो गईं। आई-पैक ने भी ईडी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाते हुए छापेमारी के दौरान अहम डॉक्युमेंट्स चोरी करने का आरोप लगाया है। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 6 बजे शुरू हुआ तलाशी अभियान नौ घंटे से ज़्यादा समय तक चला, और ईडी के अधिकारी दोपहर करीब 3 बजे शहर के दक्षिणी हिस्से में लाउडन स्ट्रीट स्थित जैन के आवास से चले गए।

मामले की जांच कर रहे: पुलिस

हमें ईडी के खिलाफ चोरी का औपचारिक आरोप मिला है और हम मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।र आधिकारिक ईडी ने गुरुवार को कोलकाता में इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर कथित मल्टी-करोड़ रुपये के कोयला चोरी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तलाशी ली।

न्यूज़ ब्रीफ

म्यांमार से जुड़े ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

इंफाल। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मणिपुर में म्यांमार जुड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। एनसीबी ने मामले में दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी तस्करों से लगभग 15 करोड़ रुपये मूल्य की सात किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन जब्त की है। एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को खुफिया इनपुट पर असम राइफल्स के साथ मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। टीम ने भारत-म्यांमार सीमा के पास एक चार पहिया वाहन को रोका और 7.31 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। यह नशीला पदार्थ 638 प्लास्टिक साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखा गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह ड्रग्स म्यांमार के हाइचिन इलाके से आया था।

13 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर संबंधी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बिहार समेत कई राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी। पीठ ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू होगी। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी मामले में अपनी दलीलें पेश करने वाले थे। आयोग ने छह जनवरी को पीठ को बताया था कि उसके पास मतदाता सूचियों के एसआईआर की शक्ति और क्षमता है, इसके अलावा यह सुनिश्चित करना एक संवैधानिक कर्तव्य है कि किसी भी विदेशी को मतदाता के रूप में पंजीकृत न किया जाए।

माधव गाडगिल का निधन पर्यावरण संरक्षण अभियान को बड़ा झटका : खरगे

पुणे/नई दिल्ली। प्रख्यात पर्यावरणविद् माधव गाडगिल का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें पश्चिमी घाटों के संरक्षण में किए प्रयासों के लिए जाना जाता है। कांग्रेस नेताओं ने प्रख्यात पारिस्थितिकीविद् गाडगिल के निधन पर गुरुवार को शोक व्यक्त किया। गाडगिल के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह कुछ समय से बीमार थे। पुणे के एक अस्पताल में बुधवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। गाडगिल बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र के संस्थापक और केंद्र सरकार द्वारा गठित पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 2024 में संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें पश्चिमी घाटों के संरक्षण के लिए किए प्रयासों पर सर्वोच्च वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' से सम्मानित किया था।

दागी अभ्यर्थियों से संबंधित नयी रिपोर्ट दाखिल करे एसएससी : हाईकोर्ट

- स्कूलों में 25,753 अभ्यर्थियों की भर्ती में अनियमितता का मामला

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को आदेश दिया है कि वह 1,806 दागी अभ्यर्थियों से जुड़ी पूरी जानकारी के साथ एक नई और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करे। ये उम्मीदवार उन 25,753 अभ्यर्थियों में शामिल हैं, जिनकी नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के चलते अप्रैल 2025 में रद्द कर दी थीं। एसएससी द्वारा दाखिल रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि सूची में अभ्यर्थियों का रोल नंबर, नाम, विषय, माता-पिता का नाम और जन्मतिथि तो दर्ज है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस श्रेणी में उन्हें दागी माना गया है।

पूरी जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश

अदालत ने एसएससी को निर्देश दिया कि वह सभी प्रासंगिक विवरणों के साथ अभ्यर्थियों की सूची सार्वजनिक करे ताकि उनकी सही पहचान हो सके। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले की अगली सुनवाई 11 फरवरी को की जाएगी।

कश्मीर से बंगाल तक शीतलहर ने कंपाया

नई दिल्ली/ श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से बंगाल तक पूरा उत्तर और उपहिमालयी भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की रात मौसम की सबसे ठंडी रात रही। हिमाचल, उत्तराखंड में अधिकतर स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे है। वहीं यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश में ज्यादातर जगह पारा चार से नौ डिग्री के बीच बना हुआ है। कश्मीर घाटी के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट रही। प्रसिद्ध डल झील समेत कई जल निकायों के किनारे जम गए। मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने के साथ आसमान में बादल छाए रहने की संभावना जताई है। इसके अलावा विभाग ने बताया कि घाटी में 10 जनवरी तक रात के तापमान में काफी गिरावट आएगी। उधर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार की सुबह साल का सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले चार-पांच दिसंबर को इस मौसम का सबसे कम तापमान 5.6 डिग्री रहा था। दिल्ली में साल का पहला शीत दिवस छह जनवरी को दर्ज किया गया था।

राज्यों में कहां सबसे ज्यादा ठंड राज्य

स्थान	तापमान
हिमाचल टापरी	11
लेह कीरू	10
जम्मू-कश्मीर सोनमर्ग	9.8
उत्तराखंड चम्बा	2
झारखंड कांके	2
राजस्थान सीकर	2.5
पश्चिम बंगाल दार्जिलिंग	3
पंजाब धुरी	4
हरियाणा बहल	4
नई दिल्ली पालम	4.5
बिहार गयाजी	4.5

शीतलहर अभी और बढ़ाएगी परेशानी

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो-तीन दिन उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार में कई स्थानों पर शीत दिवस की स्थिति बनी रह सकती है। वहीं, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में तीन दिन तक शीतलहर के आसार हैं। मौसम विभाग ने राज्य में अगले दो दिनों तक शीतलहर की स्थिति रहने के आसार जताए हैं। राज्य में तापमान में गिरावट के साथ-साथ घने कोहरे की समस्या गंभीर होती जा रही है।

एक सप्ताह बना रहेगा कोहरे का असर

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके चलते अगले एक सप्ताह तक उत्तर-पश्चिम भारत, बिहार, मध्य भारत, उत्तर-पूर्व भारत और उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं।

राजस्थान में कई जगह शीत दिवस रहा

राजस्थान के कई इलाकों में शीतलहर जारी है और गुरुवार सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। हालांकि राजधानी जयपुर में दो दिन बाद धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के अनेक इलाकों में लगातार शीतलहर व अति शीत दिवस दर्ज किया गया है।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती

- याचिका पर 12 को सुनवाई, कपिल सिब्बल ने एजेंसी पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि द्वारा दायर याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई करेगा। याचिका में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि हिरासत में लेने वाली अथॉरिटी ने गिरफ्तारी के 28 दिन बाद तक हिरासत के कारण उपलब्ध नहीं कराए।

भाषण में हिंसा की निंदा का दावा

सोनम वांगचुक का बचाव करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि 24 सितंबर 2025 को दिए गए उनके भाषण में हिंसा को समाप्त करने की अपील की गई थी और उन्होंने हिंसा की खुलकर निंदा की थी। उन्होंने यह भी बताया कि हिंसा की घटनाओं से आहत होकर वांगचुक ने अपना अनशन भी समाप्त कर दिया था।

भारत पर पांच सौ फीसदी शुल्क थोप सकते हैं ट्रंप

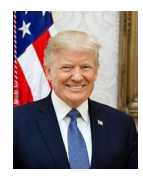

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर एक बार पर फिर से टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक ऐसे बिल को हरी झंडी दी है, जो वॉशिंगटन को उन देशों पर भारी टैरिफ लगाने की अनुमति देता है, जो रूसी पेट्रोलियम पदार्थों की खरीद करते हैं। इस बिल के आने के बाद रूस से तेल खरीद रहे भारत पर भी 500% तक टैरिफ लग सकता है। ट्रंप के इस कदम ने भारत और अमेरिका के रिश्ते को और नाजुक बना दिया है। गौरतलब है कि भारत एशिया में सबसे ज्यादा 50 फीसदी शुल्क की मार झेल रहा है। इस बिल के बारे में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने जानकारी दी। यह बिल अगले सप्ताह सदन में पेश किया जाने वाला है। ग्राहम के मुताबिक, इस बिल का उद्देश्य तीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों को रूस की आर्थिक मदद करने से रोकना है ताकि उसकी युद्ध करने की आर्थिक क्षमता पर लगाम लगाई जा सके।

शाह से मिले पलानीस्वामी

तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर की चर्चा

दिल्ली/चेन्नई। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बैठक में गठबंधन या सीट बंटवारे को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई। पलानीस्वामी ने पार्टी से निष्कासित वीके शशिकला और ओ. पन्नीरसेल्वम की वापसी की किसी भी संभावना को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि शशिकला और पन्नीरसेल्वम का उनके नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक में कोई स्थान नहीं है और इस मुद्दे पर वह पहले भी कई बार अपना रुख साफ कर चुके हैं।

एनडीए को मजबूत करने पर जोर

पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि पुदुक्कोट्टई दौरे के दौरान अमित शाह से मुलाकात नहीं हो पाने के कारण वह 7 जनवरी की रात उनके आवास पर पहुंचे थे। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब पीएमके का डॉ. अंबुमणि रामदास गुट अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हुआ। पलानीस्वामी ने कहा कि उनका फोकस आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए को और मजबूत करने पर है और आने वाले महीनों में अन्य दलों के भी गठबंधन में शामिल होने की संभावना है।

आईसीई अधिकारी की गोली से महिला की मौत, तनाव

वाशिंगटन। मिनियापोलिस में अप्रवासन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) एजेंट की गोली से 37 वर्षीय रेनी निकोल गुड की मौत हो गई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने घटना को महिला की गलती का परिणाम बताया है। इसे लेकर मिनियापोलिस में तनाव का माहौल है। सुरक्षा के मद्देनजर पब्लिक स्कूलों को भी दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने रेनी को आतंकवादी बताया, जिसने 'अपनी कार से आईसीई एजेंट को कुचलने की कोशिश की थी'। आईसी एजेंट के साथ झड़प के दौरान गोलीबारी में गुड की मौत हो गई। इसे लेकर मिनियापोलिस में व्यापक आक्रोश और शोक के माहौल है।इस बीच जेडी वेंस की टिप्पणियों ने शहर में तनाव को और बढ़ा दिया है। घटना को लेकर मिनेसोटा की सीनेटर टीना स्मिथ ने पुष्टि की है कि मारी गई महिला, रेनी निकोल गुड, एक अमेरिकी नागरिक थी। वह छह साल के बच्चे की मां थी।

फैसला भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से भी हटेगा

अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से बाहर निकलेगा

- 31 संयुक्त राष्ट्र निकाय और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल
- 100 से ज्यादा देश अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के सदस्य हैं

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 66 अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से बाहर निकलने का ऐलान कर वैश्विक कूटनीति में हलचल मचा दी है। इस फैसले में संयुक्त राष्ट्र के कई अहम निकायों के साथ भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाला अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भी शामिल है।

ट्रंप ने 'अमेरिका के हितों के विपरीत अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सम्मेलनों और संधियों से अमेरिका को बाहर निकालना' शीर्षक वाले एक आधिकारिक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए अमेरिका की वैश्विक भागीदारी की नीति में बड़ा बदलाव किया गया है।

वॉल्ट्ज का बयान: फंडिंग पर रोक

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि अमेरिका अब उन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को न तो वित्तीय सहायता देगा और न ही उनमें भागीदारी करेगा, जो अमेरिकी हितों को पूरा नहीं करतीं या उनके विरुद्ध काम करती हैं।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी जनता के खून-पसीने की कमाई को ऐसे संस्थानों पर खर्च करना अब स्वीकार्य नहीं है, जिनसे अमेरिका को बहुत कम या कोई ठोस लाभ नहीं मिलता।

अमेरिका के हितों का हवाला

हस्ताक्षर के बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि इन संगठनों का सदस्य बने रहना या उन्हें किसी भी रूप में समर्थन देना अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है। ट्रंप के फैसले के दायरे में कुल 66 संस्थाएं आती हैं, जिनमें 31 संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी इकाइयां और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल हैं। यह अमेरिका की अब तक की सबसे बड़ी बहुपक्षीय वापसी मानी जा रही है। राष्ट्रपति ने सभी कार्यकारी विभागों और एजेंसियों को आदेश दिए हैं कि वे इन संगठनों से अमेरिका की वापसी को शीघ्र लागू करने के लिए जरूरी कदम तुरंत उठाएं। इस फैसले में भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) से अमेरिका की वापसी भी शामिल है। फिलहाल इस संगठन से 100 से अधिक देश जुड़े हैं और 90 से ज्यादा देशों ने पूर्ण सदस्यता की पुष्टि की है।

DBD 8
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई
शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

वॉर्ड वॉर
मुंबई मनपा चुनाव

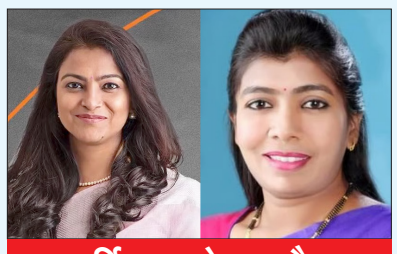

बीएमसी : वार्ड 225

'मैत्रीपूर्ण लड़ाई' के नाम पर महायुति में वर्चस्व की जंग

हर्षिता नरवेकर और सुजाता सनप आमने-सामने

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के आगामी चुनावों में दक्षिण मुंबई का वार्ड 225 राजनीतिक चर्चाओं का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। यह मुंबई के 227 वार्डों में एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ सत्ताधारी महायुति के दो प्रमुख घटक दल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट), एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोक रहे हैं। कहने को तो इसे गठबंधन के नेताओं द्वारा 'फ्रेंडली फाइट' (मैत्रीपूर्ण मुकाबला) कहा जा रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह वर्चस्व और अस्तित्व की एक गंभीर लड़ाई में तब्दील हो चुका है।

प्रतिष्ठा की लड़ाई: नरवेकर परिवार बनाम दो बार की विजेता

इस हाई-प्रोफाइल सीट पर भाजपा ने हर्षिता नरवेकर को मैदान में उतारा है, जो महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर की भाभी हैं। उनके सामने शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से अनुभवी सुजाता सनप चुनौती पेश कर रही हैं, जो इसी वार्ड से दो बार नगरसेविका रह चुकी हैं। जहाँ सुजाता सनप इस क्षेत्र को अपना अभेद्य किला मानती हैं, वहीं भाजपा यहाँ 'विकास' के मुद्दे पर जीत दर्ज कर दक्षिण मुंबई में अपनी पैठ और मजबूत करना चाहती है।

दावे और प्रतिदावे: विकास बनाम स्थानीय पकड़

प्रचार के दौरान सुजाता सनप ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा है कि यह उनकी स्थानीय कर्मभूमि है और जनता उनके पिछले दो कार्यकाल के समाजसेवा वाले ट्रैक रिकॉर्ड पर मुहर लगाएगी। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि असली फैसला 16 जनवरी को होगा। दूसरी ओर, हर्षिता नरवेकर ने शिवसेना पर परोक्ष प्रहार करते हुए कहा कि दक्षिण मुंबई का हिस्सा होने के बावजूद इस वार्ड में कचरा प्रबंधन और पानी की बड़ी समस्याएं अनसुलझी हैं। उन्होंने राहुल नरवेकर के नेतृत्व और 'बीएमसी में भाजपा' के एजेंडे को विकास की एकमात्र चाबी बताया है।

क्या बोलती पब्लिक

मुंबई का चुनाव सिर्फ वादों का नहीं, भरोसे का है। मतदाता अब यह देखना चाहता है कि कौन ज़मीन पर काम करता है, न कि सिर्फ मंच से भाषण देता है।

– मिताली मयेकर, मुंबई

इस बार मुंबई का वोट विकास, पारदर्शिता और स्थानीय मुद्दों पर तय होगा। जनता अब नारों से आगे बढ़कर नतीजे चाहती है।

– रिया सुर्वे, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

डीबीडी ग्रांउड रिपोर्ट

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

बीजेपी भरोसे शिंदे सेना

शिंदे गुट की उम्मीदवारों पर कमजोर पकड़

बीजेपी के सहारे मैदान में उतरने की मजबूरी

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में 2026 के नगर निकाय चुनाव एक नया इतिहास लिखने जा रहे हैं, लेकिन इस इतिहास में शिवसेना (शिंदे गुट) की साख दांव पर लगी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, जो खुद को असली शिवसेना होने का दावा करती है, इस निकाय चुनाव के रण में अपने वजूद की लड़ाई लड़ रही है। ताजा राजनीतिक हालातों और नामांकन प्रक्रिया के बाद जो तस्वीर उभरी है, वह शिंदे गुट के लिए चिंताजनक है। मुंबई जैसे शहर में, जहां कभी शिवसेना का एकछत्र राज था, वहां शिंदे गुट की शिवसेना के उम्मीदवार पीएम मोदी और बालासाहेब ठाकरे के नाम पर वोट मांगते नजर आ रहे हैं।

बीएमसी — बीजेपी के प्रत्याशियों का सहारा

सूत्रों और जमीनी रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई के कई वार्डों में शिंदे गुट को अपने दम पर जिताऊ उम्मीदवार नहीं मिले। आलम यह है कि संगठन की कमजोरी छिपाने के लिए बीजेपी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को शिवसेना के 'धनुष-बाण' चिन्ह पर चुनाव लड़ाने की मजबूरी सामने आई है। कई वार्डों में शिंदे गुट अपने दम पर उम्मीदवार खड़ा करने की स्थिति में नहीं है। स्थानीय स्तर पर संगठन की पकड़ कमजोर होने और पुराने शिवसैनिकों के अलग-अलग दलों में बंट जाने का असर सीधे प्रत्याशी चयन पर पड़ा है। यही कारण है कि शिंदे गुट अब अपने ही पार्टी चिन्ह पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़े या बीजेपी समर्थित प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह स्थिति शिंदे गुट की संगठनात्मक कमजोरी को उजागर करती है। जिन वार्डों में पहले शिवसेना का दबदबा हुआ करता था, वहां अब न तो पुराने चेहरे नजर आ रहे हैं और न ही नए नेतृत्व को जनता का भरोसा मिलता दिख रहा है। मजबूरी में बीजेपी के उम्मीदवारों को शिवसेना के चिन्ह पर चुनाव लड़वाना, गठबंधन राजनीति की एक अलग तस्वीर पेश कर रहा है। बीजेपी पहले ही 'बड़ा भाई' की भूमिका में आ चुकी है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुरुआत में 100 से 125 सीटों की मजबूत मांग रखी थी लेकिन कड़े मोलभाव के बावजूद बीजेपी ने उनकी मांग को 90 सीटों तक सीमित रखा। मुख्यमंत्री पद से उपमुख्यमंत्री की भूमिका और अब बीएमसी में 90 सीटों पर सिमटना, इस बात के संकेत हैं कि शिंदे शिवसेना ने बड़े भाई की भूमिका छोड़ दी है और बीजेपी के मजबूत कैडर और संसाधनों के सहारे शिंदे गुट चुनावी नैया पार लगाने की कोशिश कर रहा है।

नागपुर : बीजेपी की राह में शिंदे के 'सिपाही' बने बाधा

नागपुर की सत्ता पर पिछले 15 सालों से बीजेपी का सियासी कब्जा है। नागपुर में बीजेपी लगातार तीन नगर निगम चुनाव जीत चुकी है और अपना मेयर भी बनाती रही है। इस बार बीजेपी जीत का चौका लगाने के लिए मैदान में उतरी है, लेकिन उसकी राह में सबसे बड़ी बाधा महायुति के सहयोगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 'सिपहसालार' बन गए हैं। इसके चलते बीजेपी काफी नाराज है। दरअसल नागपुर महानगर में कुल 151 वार्ड पार्षद चुने जाए हैं। 2017 के महानगर निगम के चुनाव में बीजेपी 108 सीटें जीतकर अपने दम पर मेयर बनाने में सफल रही थी। कांग्रेस ने 28 सीटें जीती थी तो बसपा के 10 पार्षद चुने गए थे। शिवसेना के दो और एनसीपी के एक पार्षद जीतकर आए थे। बीजेपी ने अपने सियासी दुर्ग को बचाए रखने के लिए एकनाथ शिंदे की शिवसेना साथ गठबंधन कर रखा है, लेकिन शिंदे की सिपहसलार ही सियासी राह में बाधा बन गए हैं। बीजेपी ने शिंदे की शिवेसना को आठ सीटें दी है, जिसमें से छह सीट पर बीजेपी बैकग्राउंड वाले नेता चुनावी किस्मत आजमा रहे और दो सीट पर शिंदे की शिवसेना के मूल उम्मीदवार हैं। अब यहीं पेंच है। नागपुर में शिवसेना को ज्यादा सीटें ना मिलने के चलते शिंदे की पार्टी के नाराज 30 से ज्यादा नेताओं ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर खड़े हैं। बीजेपी के स्थानीय नेताओं का आरोप है कि यह सब कुछ एकनाथ शिंदे की निगहबानी में हो रहा है। वहीं दूसरी ओर शिंदे के बागी नेता शिंदे गुट पर शिवसेना को खत्म करने का आरोप लगा रहे। शिंदे की शिवसेना के जिला प्रमुख सूरज गोजे पर ऐन वक्त पर मामला दर्ज होने से उनका टिकट कट गया है। शहर प्रमुख समीर शिंदे, धीरज फंदी, महिला प्रमुख मनीषा पापडकर, अनिता जाधव और पूर्व उपमहापौर रघुनाथ मालीकर चुनाव लड़ने के इच्छुक थे, लेकिन इनमें से किसी को भी शिवसेना से टिकट नहीं मिला। इसके चलते शिंदे के ये तमाम सिपहसलार अब बीजेपी को हराने के लिए मशक्कत कर रहे हैं, जिसकी वजह से बीजेपी भी काफी नाराज है।

ठाणे में बगावत का बिगुल

मुंबई से सटा ठाणे शहर इस वक्त राज्य की राजनीति का बड़ा अखाड़ा बन चुका है। यहाँ सिर्फ एक नगर निगम का चुनाव नहीं है, बल्कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के वजूद और दबदबे की अग्निपरीक्षा है। शिवसेना के कद्दावर नेता और एकनाथ शिंदे के राजनीतिक गुरु आनंद दीघे की विरासत और शिंदे के प्रभाव वाले इस शहर में इस बार समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। शिवसेना की टूट ने ठाणे की गलियों में दो फाड़ कर दिए हैं, जिससे यह लड़ाई अपनों के ही बीच दिखती है। महायुति के गठबंधन में शिंदे गुट भले ही बड़े भाई की भूमिका में है, लेकिन बागियों ने उम्मीदवारों के नाम में दम कर रखा है। घोडबंदर के कासारवडवली और भाईंदर पाड़ा (वार्ड नंबर 1) में गठबंधन ने सिद्धार्थ ओवलेकर, विक्रांत तांडेल और नम्रता घरत (शिंदे सेना) तथा अनीता ठाकुर (भाजपा) को मैदान में उतारा है। हालांकि, यहां पेंच तब फंसा जब रवि घरत की पत्नी नम्रता को टिकट मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार सिद्धार्थ ओवलेकर के खिलाफ बगावत कर दी है। यह आंतरिक कलह गठबंधन के लिए सिरदर्द बन गई है। मानपाड़ा और आजाद नगर (वार्ड नंबर 3) में शिंदे सेना ने पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे को टिकट दिया है, लेकिन पूर्व पार्षद भूषण भोईर ने टिकट कटने के बाद बगावत कर दी है। मीनाक्षी शिंदे और भूषण भोईर के बीच लंबे समय से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। अब भोईर ने 'ठाणे शहर विकास अघाड़ी' के माध्यम से नामांकन भरकर मीनाक्षी शिंदे के पैनल को सीधी चुनौती दे दी है। विद्रोह करने वालों की सूची काफी लंबी है। पूर्व पार्षद शांता सोलंकी, मंगल कलंबे, मनीषा साळवी, सुरेखा पाटिल और लॉरेंस डिसूजा जैसे दिग्गज नाम अब निर्दलीय मैदान में हैं। इसके अलावा पूर्व पार्षद बालाजी काकडे की पत्नी अनीता काकडे, किरण नाक्ती और नितिन लांडगे जैसे पदाधिकारियों ने भी शिंदे गुट के उम्मीदवारों के पसीने छुड़ा दिए हैं। इन बागियों का अपना जनाधार होने के कारण आधिकारिक उम्मीदवारों की टेंशन बढ़ गई है। इंदिरा नगर (वार्ड नंबर 15) पारंपरिक रूप से भाजपा का गढ़ माना जाता है, जहाँ भाजपा ने अमित सरैया और सुरेश कांबले को उतारा है। यहाँ भी शिंदे सेना के इच्छुक उम्मीदवार दशरथ यादव, बाबुल शेख और सुवर्णा कांबले ने बगावत करते हुए समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। वहीं, टिकट न मिलने से नाराज भाजपा के पूर्व पार्षद राजकुमार यादव और वर्षा पाटिल ने बहुजन समाज पार्टी (BSP) का हाथ थामकर चुनाव को बहुकोणीय बना दिया है। अकेले चुनाव लड़ने के बजाय, कई बागियों ने 'ठाणे शहर विकास अघाड़ी' के बैनर तले एकजुट होकर एक नया मोर्चा खोल दिया है। पूर्व पार्षद मधुकर पावशे और भाजपा पदाधिकारी दीपमाला मढवी तथा सुषमा दलवी जैसे नेता इसी अघाड़ी के माध्यम से चुनावी मैदान में हैं। यह मोर्चा विशेष रूप से उन सीटों पर सेंध लगा सकता है जहाँ जीत-हार का अंतर बहुत कम रहने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए यह चुनाव उनकी साख का सवाल है, लेकिन उनके अपने ही क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में बगावत होना राजनीतिक विशेषज्ञों को चौंका रहा है। भाजपा के पदाधिकारी भी इस स्थिति से असहज हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि गठबंधन के वोटों के बंटने का सीधा फायदा महाविकास अघाड़ी (शिवसेना-यूबीटी, कांग्रेस, शरद पवार गुट) को मिल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर शिंदे के दावों पर ग्रहण लग जाएगा।

कल्याण-डोंबिवली: मजबूत स्थिति लेकिन कमजोर पड़ता नेतृत्व

कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट संख्या बल के लिहाज से मजबूत स्थिति में तो नजर आ रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर नेतृत्व की आपसी खींचतान और बगावत ने इसकी स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। हालांकि भाजपा के साथ गठबंधन होने से शिंदे गुट को एक बड़ा सहारा मिला है और इस गठबंधन की मजबूती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा के 14 और शिवसेना के 6 उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं, परंतु कई महत्वपूर्ण वार्डों में 'मित्र दलों' के बीच ही सीधी जंग छिड़ी हुई है। उदाहरण के तौर पर, पैनल संख्या 29 में मुकाबला बेहद रोचक और तनावपूर्ण है, जहाँ शिंदे सेना के पूर्व पार्षद नितिन पाटिल, रविंद्र पाटिल, रंजना पाटिल और रूपाली पाटिल का सीधा मुकाबला अपनी ही सहयोगी पार्टी भाजपा के मंदार तावरे, आर्य नाटेकर, अलका म्हात्रे और मनीषा म्हात्रे से हो रहा है, जो यह दर्शाता है कि गठबंधन के बावजूद स्थानीय स्तर पर वर्चस्व की लड़ाई नेतृत्व को कमजोर कर रही है और बागियों के कारण आधिकारिक उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

मीरा-भायंदर: भाजपा के प्रहार से बैकफुट पर शिंदे सेना

महाराष्ट्र की 29 नगरपालिकाओं के चुनावी रण में मीरा-भायंदर का नजारा सबसे ज्यादा चौंकाने वाला है। यहाँ लड़ाई महायुति बनाम विपक्ष की नहीं, बल्कि शिवसेना बनाम बीजेपी की हो गई है। भाजपा के कड़े रुख और स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता के आक्रामक हमलों ने शिंदे गुट के खेमे में खलबली मचा दी है। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर सीधा और तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'मियां सरनाईक' और 'भाईजान सरनाईक' के नाम से संबोधित किया। मेहता के इस बयान ने सरनाईक की हिंदुत्ववादी छवि पर गहरी चोट की है। नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। मेहता ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि मीरा-भायंदर में भाजपा का मेयर बनता है, तो सरनाईक के सभी संदिग्ध सौदों और भ्रष्टाचार के मामलों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। मीरा-भायंदर की कुल 95 सीटों के गणित में भाजपा जहाँ 87 सीटों पर पूरी ताकत से लड़ रही है, वहीं शिंदे गुट केवल 81 सीटों पर ही उम्मीदवार उतार पाया है। भाजपा की तुलना में कम सीटों पर चुनाव लड़ना और ऊपर से भ्रष्टाचार के आरोपों का बोझ ढोना, शिंदे गुट के लिए सत्ता की राह को बेहद कठिन बना रहा है।

उल्हासनगर — 'दोस्ती' पड़ेगी भारी

उल्हासनगर में शिंदे गुट की शिवसेना और पूर्व विधायक पप्पू कालानी के पुत्र ओमी कालानी के नेतृत्व वाली टीम ओमी कालानी (TOK) के बीच विगत लोकसभा चुनाव से गठबंधन चला आ रहा है, जिसे 'दोस्ती का गठबंधन' नाम दिया गया है। बाद में इस गठबंधन में साई पार्टी को भी शामिल किया गया। तीनों दलों ने भाजपा को गठबंधन से बाहर रखते हुए सीट शेयरिंग का फार्मूला तय किया था, जिसके चलते भाजपा ने अलग चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। हालांकि, उल्हासनगर मनपा चुनाव में 'दोस्ती का गठबंधन' अब समन्वय के अभाव से जूझता नजर आ रहा है। वार्ड नंबर 5 और 9 में गठबंधन में शामिल दलों के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में उतर गए हैं। एक ओर कालानी ग्रुप के उम्मीदवार शिवसेना के धनुष-बाण चुनाव चिन्ह पर प्रचार कर रहे हैं, वहीं साई पार्टी के उम्मीदवार दूरदर्शन (टीवी) चुनाव चिन्ह पर उसी वार्ड में मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। वार्ड नंबर 9 में शिवसेना (कालानी ग्रुप) की ओर से कविता मनोज लासी मैदान में हैं, जबकि साई पार्टी ने पूर्व महापौर आशा जीवन इदनानी को उम्मीदवार बनाया है। वार्ड नंबर 5 (अ) में कालानी ग्रुप की सीमा कालानी और साई पार्टी की जयश्री थवानी आमने-सामने हैं। वार्ड नंबर 5 (ड) में साई पार्टी के सुनील गंगवानी और शिवसेना के हरजिंदर सिंह भुल्लर उर्फ विक्की चुनावी मुकाबले में हैं। भाजपा के अकेले लड़ने और साई पार्टी के बढ़ते प्रभाव के बीच, अपनों से ही मिल रही इस कड़ी टक्कर ने उल्हासनगर में शिवसेना (शिंदे गुट) की राह को अत्यंत चुनौतीपूर्ण बना दिया है।